आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 332 | उज्जैन, गुरुवार 23 अक्टूबर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

श्रीकृष्ण और सुभद्रा के स्नेह में झलकता है भाई-बहन के प्यार का अटूट बंधन-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रेम, सुरक्षा और विश्वास का पर्व है भाईदूज मुख्यमंत्री निवास में गुरुवार को होगा भाईदूज का कार्यक्रम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान श्रीकृष्ण और सुभद्रा का रिश्ता भाई-बहन के प्रेम और संरक्षण की सबसे सुंदर मिसाल है। जिस प्रकार श्रीकृष्ण ने हर परिस्थिति में बहन सुभद्रा की सुरक्षा और सम्मान का ध्यान रखा, उसी भावना से हमारी सरकार भी प्रदेश की हर लाड़ली बहन के सुख, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की साथी है। श्रीकृष्ण और सुभद्रा का संबंध इस बात की याद दिलाता है कि भाई का स्नेह केवल वचन निभाना ही नहीं, कर्म से निभाई जाने वाली जिम्मेदारी भी है। हमारी सरकार इसी दृष्टि से सांस्कृतिक परंपरा को निभाते हुए

आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे लिये बहनों की खुशी, उनकी सुरक्षा और आत्मविश्वास सर्वोपरि है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को भाईदूज के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास में आयोजित होने वाले भाईदूज कार्यक्रम में सम्मलित होने वाली लाड़ली बहनों को यह संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाईदूज का पर्व भारतीय संस्कृति में प्रेम, स्नेह और जिम्मेदारी का प्रतीक है। यह केवल एक त्यौहार नहीं बल्कि उस रिश्ते का उत्सव है, जिसमें भाई अपनी बहन के सुख-दुख, सुरक्षा और सम्मान का वचन निभाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहनों की मुस्कान ही समाज की समृद्धि का आधार है और हर भाई का यह कर्तव्य है कि वह अपने आचरण और कर्म से इस भावना को मजबूत बनाए।

शासन में संवेदना, त्यौहारों में अपनापन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह परंपरा बनाई है कि प्रदेश का हर पर्व जनता के जीवन में नई उमंग और नई आशा लेकर आए। दीपावली, रक्षाबंधन, गोवर्धन पूजा और अब भाईदूज जैसे पर्व शासन के मानवीय स्वरूप का प्रतीक बन चुके हैं।

लाड़ली बहनें-सशक्त समाज की आधारशिला

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की लाड़ली बहनें केवल योजनाओं की लाभार्थी नहीं, बल्कि परिवार और समाज की आत्मा हैं।

उद्योगपति किरण मजूमदार बेंगलुरु की सड़कों के लिए करना चाहती हैं फंडिंग, चिदंबरम बोले- पैसों की कमी नहीं है...

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद पी. चिदंबरम ने दावा किया है कि बायोकॉन की चेयरपर्सन किरण मजूमदार-शॉ ने बेंगलुरु की सड़कों की मरम्मत के लिए फंडिंग की पेशकश की है। उन्होंने इस पेशकश का स्वागत किया, लेकिन कहा कि समस्या पैसों की कमी नहीं, बल्कि सार्वजनिक कार्यों के अमल में है।

गौरतलब है कि किरण मजूमदार शॉ और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच बेंगलुरु की नागरिक सुविधाओं को लेकर ऑनलाइन तनातनी चल रही है।

चिदंबरम ने अपने ऑनलाइन पोस्ट में लिखा, मैंने किरण मजूमदार शॉ की बेंगलुरु की कुछ सड़कों के विकास के लिए फंडिंग की पेशकश को रुचि के साथ देखा। यह एक शानदार पेशकश है। बधाई। लेकिन हमारी सार्वजनिक परियोजनाओं की समस्या पैसों की कमी नहीं, बल्कि उनके अमल में है।

एक नई व्यवस्था अपनाने की मांग- चिदंबरम ने सुझाव दिया कि इस समस्या को हल करने के लिए एक नया सिस्टम अपनाया जा सकता है, जिसमें किसी कंपनी या उद्योगपति जैसे किरण मजूमदार-शॉ को काम की निगरानी की जिम्मेदारी दी जाए।

लापरवाही ने ले ली जान! तमिलनाडु में मेडिकल स्टूडेंट की झरने में गिरने से मौत, 3 दिन बाद मिली लाश

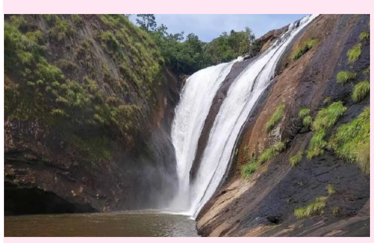

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के कोयंबटूर में मेडिकल का एक छात्र हादसे का शिकार हो गया। वीकेंड पर दोस्तों के साथ घूमने गया छात्र अचानक झरने के तेज बहाव में बह गया। छात्र 3 दिन से लापता था। वहीं, अब कुछ झरने से कुछ ही दूरी पर उसका शव बरामद हुआ है। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है।

मृतक की पहचान 21 वर्षीय नंदकुमार के रूप में हुई है, जो कोयंबटूर के एक प्राइवेट कॉलेज में मेडिकल का छात्र था। वीकेंड की छुट्टी पर नंदकुमार 11 लोगों के ग्रुप के साथ ट्रिप पर निकला था।

बारिश के कारण उफान पर था झरना- सभी लोग कोयंबटूर से कोडईकनाल घूमने गए थे। इसी दौरान ग्रुप में शामिल सभी लोग कोडईकनाल-विलपट्टी रोड पर स्थित मशहूर अंजुवीदु झरना देखने पहुंचे। आमतौर पर यह झरना शांति और खूबसूरती के लिए जाना जाता है। मगर, बरसात के समय यही झरना विकराल रूप धारण कर लेता है। स्थानीय अधिकारियों ने सभी पर्यटकों को झरने से दूर रहने की सलाह दी थी। हालांकि, खतरा होने के बावजूद नंदकुमार समेत पांच लोगों ने झरने में नहाने का प्लान बनाया।

बिलासपुर में PM मोदी और CM साय के फोटो प्लेक्स को बनाया थाने के शौचालय का दरवाजा, भाजपा का हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिवाली के ठीक एक दिन पहले बिलासपुर का सीपत थाना विवादों में घिर गया। मामला सार्वजनिक शौचालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का पोस्टर लगाने से जुड़ा है। बताया जा रहा है कि सुशासन पखवाड़ा के तहत लगाए गए इस पोस्टर को थाने परिसर स्थित शौचालय में दरवाजा टूटने के कारण अस्थायी रूप से दरवाजे के रूप में लगा दिया गया था। जैसे ही यह बात भाजपा कार्यकर्ताओं तक पहुंची, थाने में हड़कंप मच गया और मामला तूल पकड़ लिया।

जानकारी मिलते ही भाजपा जिला ग्रामीण उपाध्यक्ष राज्यवर्धन कौशिक, सीपत मंडल अध्यक्ष दीपक शर्मा, उपाध्यक्ष अभिलेष यादव, वरिष्ठ नेता मन्नू ठाकुर, मदनलाल पाटनवार, बसंत साहू, भाजयुमो अध्यक्ष तुषार चंद्राकर सहित कई कार्यकर्ता थाने पहुंच गए। थाने में पूछताछ के दौरान जब कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो कार्यकर्ताओं ने थाने का घेराव कर जमकर नारेबाजी की।

थाना प्रभारी पर अवैध शराब बिक्री का आरोप- भाजपा कार्यकर्ताओं ने थाना प्रभारी गोपाल सतपथी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनके संरक्षण में क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री और आपराधिक गतिविधियां बढ़ रही हैं। कार्यकर्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि थाना परिसर में ही बंद कमरों में बाहरी लोगों को बुलाकर शराबखोरी की जाती है। घटना की सूचना मिलते ही डीएसपी निमितेश सिंह मौके पर पहुंचे और भाजपा कार्यकर्ताओं से चर्चा की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के पोस्टर को शौचालय में लगाने वाले जिम्मेदार पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की।

हाईवे पर कैब खराब होने पर बाहर निकले और सामने से आ गई मौत, हादसे में तीन लोगों ने तोड़ा दम

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अकोला में हादस हाईवे पर दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई। कैब खराब होने के बाद दूसरी गाड़ी का इंतजार कर रहे कुछ लोगों को एक अज्ञात वाहन ने कुचल दिया।

यह घटना बीती रात अकोला में नेशनल हाईवे 53 पर हुई। एक कपल बोरगांव के मंजू टाउन से घर की तरफ जा रहे थे। कार में कपल के अलावा ड्राइवर और उसका एक साथी भी सवार था।

पुलिस के अनुसार,कुरंदखेड़ गांव के पास हाईवे के बीच में कैब अचानक खराब हो गई। ऐसे में सभी लोग कार से बाहर उतरे और कैब को घसीटने के लिए किसी दूसरे वाहन का इंतजार करने लगे। तभी एक एक तेज रफ्तार गाड़ी ने सभी को कुचल दिया।

बोरगांव मंजू पुलिस स्टेशन के इनचार्ज अनिल गोपाल ने बताया कि चारो कैब को कार्गो की मदद से घसीटकर ले जा रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। मृतकों की पहचान 35 वर्षीय धीरज सरसथ, 30 वर्षीय अश्विनी सरसथ और 28 वर्षीय कैब ड्राइवर आरिफ खान के रूप में हुआ है। वहीं, ड्राइवर के साथ मौजूद व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। उसे अकोला के जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है।

हादसे को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस टक्कर मारने वाली गाड़ी की तलाश कर रही है, लेकिन अभी कर गाड़ी या ड्राइवर का कुछ पता नहीं चल सका है।

तमिलनाडु में बारिश से हाहाकार, कई जिलों में रेड अलर्ट के बाद स्कूलों में छुट्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु और पुदुचेरी में पिछले 24 घंटों से लगातार बारिश हो रही है। भारी बारिश के कारण तमिलना के कई शहरों में जनजीवन पूरी तरीके से प्रभावित है। चेन्नई में स्कूलों में छुट्टियां कर दी गई हैं। मौसम विभाग के अनुसार, बारिश का ये सिलसिला अगले 24 घंटों तक जारी रहने की संभावना है।

दरअसल, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान के जोर पकड़ते ही, तटीय इलाकों में भारी वर्षा देखने को मिली है।

टैरिफ पर तोहफा देंगे ट्रंप! भारत-अमेरिका में ट्रेड डील लगभग तय, कितना देना होगा टैक्स?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका जल्द ही एक ऐतिहासिक व्यापार समझौते को अंतिम रूप दे सकते हैं। ये भारतीय आयात पर अमेरिकी टैरिफ को 50% से घटाकर 15-16% तक ला सकता है। मिंट की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह समझौता ऊर्जा और कृषि क्षेत्रों पर केंद्रित है।

इस डील के तहत भारत रूस से कच्चे तेल के आयात को धीरे-धीरे कम करने पर विचार कर रहा है। यह कदम दोनों देशों के बीच व्यापारिक रिश्तों को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकता है।

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि यह समझौता भारत को गैर-जेनेटिक रूप से संशोधित (नॉन-जीएम) अमेरिकी मक्का और सोयामील के आयात को बढ़ाने की अनुमति दे सकता है। साथ ही, टैरिफ और बाजार पहुंच की समय-समय पर समीक्षा के लिए एक तंत्र भी स्थापित किया जा सकता है।

ट्रंप-मोदी की बातचीत में क्या हुई बात?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ फोन पर बातचीत की। इस दौरान मुख्य रूप से व्यापार और ऊर्जा के मुद्दों पर चर्चा हुई। ट्रंप ने कहा कि पीएम मोदी ने रूस से तेल खरीद को सीमित करने का आश्वासन दिया है। हालांकि, पीएम मोदी ने अपनी ओर से इस बातचीत का जिक्र करते हुए केवल इतना कहा कि दोनों नेताओं ने बात की, लेकिन कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी।

मोदी ने एक्स पर लिखा, राष्ट्रपति ट्रंप का फोन और दिवाली की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। इस प्रकाश पर्व पर, हमारे दोनों महान लोकतंत्र दुनिया को आशा की किरण दिखाते रहें और आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ एकजुट रहें।

आसियान शिखर सम्मेलन में घोषणा की उम्मीद- मिंट की रिपोर्ट के अनुसार, इस द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की घोषणा इस महीने होने वाले आसियान शिखर सम्मेलन में की जा सकती है। यह समझौता दोनों देशों के बीच लंबे समय से रुके व्यापारिक संबंधों को गति दे सकता है। भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय और व्हाइट हाउस ने इस पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है।

पाकिस्तान से युद्ध..., PM मोदी से फोन पर बातचीत के बाद बदले ट्रंप के सुर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के द्विपक्षीय संबंधों में यह एक सामान्य बात हो गई है। पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पीएम नरेन्द्र मोदी के बीच टेलीफोन पर बात होती है। इसके बाद ट्रंप की तरफ से प्रेस कांफ्रेंस में इस बातचीत को लेकर कई तरह के दावे किये जाते हैं और फिर भारत इन दावों को खारिज कर देता है।

ऐसा पिछले हफ्ते 16 अक्टूबर को भी हुआ जब ट्रंप ने कहा कि मोदी ने उनसे वादा किया है कि भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा। अब मंगलवार यानी 21 अक्टूबर को दीवाली के अवसर फिर से दोनों नेताओं के बीच बातचीत हुई। ट्रंप ने दावा किया कि मोदी से पाकिस्तान से युद्ध नहीं करने पर चर्चा हुई है।

भारत ने ट्रंप के दावे को किया खारिज- भारतीय विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने इस बार भी ट्रंप के इस दावे को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। पिछले हफ्ते तो भारत ने दोनों नेताओं के बीच किसी तरह की वार्ता के दावे को ही खारिज कर दिया था।

भारत और अमेरिका दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश होने के साथ ही एक दूसरे से बेहद महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारी देश भी है। पिछले ढाई दशक से अमेरिका का हर राष्ट्रपति भारत के साथ संबंधों को सुधारने की कोशिश करता दिखा है। जबकि ट्रंप प्रशासन के कार्यकाल में रूस से तेल खरीद और शुल्कों की वजह से दोनों देशों के रिश्तों में काफी तनाव है।

पीएम मोदी और ट्रंप के बीच लगातार हो रही बातचीत- ऐसे में मोदी और ट्रंप के बीच लगातार बातचीत भी हो रही है ताकि संबंधों को सहज किया जा सके। पिछले तीन हफ्तों में इनके बीच दो बार बातचीत की आधिकारिक पुष्टि हो चुकी है। पहली बार नौ अक्टूबर को गाजा शांति समझौते की घोषणा के समय बात हुई थी और दूसरी 21 अक्टूबर को दीवाली के अवसर पर।

ट्रंप ने 16 अक्टूबर को दावा किया था कि उनकी मोदी से बात हुई थी जिस पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा था कि, मेरी जानकारी के मुताबिक दोनों नेताओं के बीच कोई बातचीत नहीं हुई है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने 21 अक्टूबर को व्हाइट हाउस में दीवाली त्योहार पर एक आयोजन किया। इसमें अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा, अमेरिका के भारत में नये राजदूत सार्जियो गोर, फेडरेल ब्यूरो ऑफ इंवेस्टीगेशन के निदेशक काश पटेल समेत अमेरिकी कंपनियों के शीर्ष पदों पर बैठे कई भारतीय मूल के अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

ट्रंप का दावा-इसमें ट्रंप ने कहा कि, मैं भारत के लोगों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। मैंने आज आपके प्रधानमंत्री से बात की। हमारी बहुत अच्छी बातचीत हुई। हमने व्यापार के बारे में बात की... वह इसमें बहुत रुचि रखते हैं। हालांकि, हमने कुछ समय पहले यह भी बात की है कि पाकिस्तान के साथ कोई युद्ध न हो। इसमें कारोबार शामिल है, इसलिए मैं बात कर सका। और अब भारत और पाकिस्तान के बीच कोई युद्ध नहीं है।

मेहुल चोकसी को भारत लाने का रास्ता साफ, भगोड़े हीरा कारोबारी को बेल्जियम की कोर्ट से लगा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भगोड़े हीरा कारोबारी और पीएनबी घोटाले के आरोपी मेहुल चोकसी को भारत लाने का रास्ता लगभग साफ हो गया है। बेल्जियम की कोर्ट ने चोकसी को भारत को प्रत्यर्पित करने की मंजूरी दे दी है।

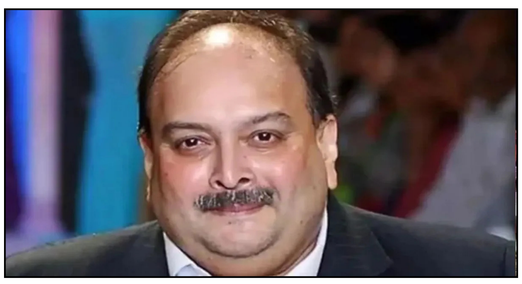

कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि चोकसी की प्रत्यर्पण प्रक्रिया में किसी प्रकार की कोई कानूनी बाधा नहीं है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि इस प्रक्रिया से कोई आपत्ति नहीं है।

चोकसी के प्रत्यर्पण को कोर्ट ने बताया सही- बेल्जियम की कोर्ट ने अप्रैल में मेहुल चोकसी की गिरफ्तार को सही ठहराया था। अब कोर्ट ने कहा कि चोकसी बेल्जियम का नागरिक नहीं है, बल्कि वह विदेशी नागरिक है। उसपर लगे आरोप बेहद गंभीर हैं। यही कारण है चोकसी के प्रत्यर्पण को सही माना जा सकता है। बता दें कि भारत की ओर से मेहुल चोकसी पर लगे आरोप बेल्जियम में भी अपराध की श्रेणी में आते हैं।

मेहुल चोकसी पर भारतीय दंड संहिता की धाराएं 120बी, 201, 409, 420 और 477ए के तहत मामला दर्ज किया गया है। वहीं, इसके अलावा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराएं भी शामिल हैं। इनमें एक साल की सजा का प्रावधान है।

बेल्जियम की कोर्ट का मानना है कि मेहुल चोकसी की भूमिका एक तरीके से आपराधिक गिरोह में शामिल होने, धोखाधड़ी करने, भ्रष्टाचार में सम्मिलित फर्जी दस्तावेजों का उपयोग करते हुए गैरकानूनी काम करने में शामिल हो सकती है।

व्हाइट हाउस में मौजूद थे ट्रंप तभी अज्ञात व्यक्ति ने सिक्योरिटी गेट में घुसा दी अपनी कार

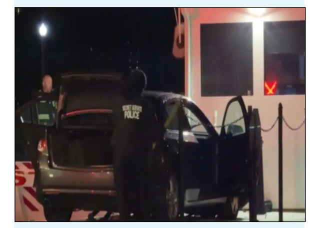

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में व्हाइट हाउस के बाहर एक व्यक्ति ने अपनी कार को जबरन सुरक्षा बैरियर से टकरा दिया। यह घटना रात करीब 10ः37 बजे हुई। इसके बाद यूएस सीक्रेट सर्विस ने तुरंत ड्राइवर को हिरासत में ले लिया। घटना के बाद व्हाइट हाउस की सुरक्षा और सतर्कता पर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं।

सीक्रेट सर्विस के अनुसार, उनकी यूनिफॉर्म डिवीजन ने कार की तलाशी ली और इसे सुरक्षित घोषित किया। ड्राइवर की पहचान और इस घटना के पीछे के मकसद के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है। जांच अभी जारी है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो- घटना के बाद सोशल मीडिया पर व्हाइट हाउस के बाहर का वीडियो तेजी से वायरल हो गया। वीडियो में सीक्रेट सर्विस के अधिकारी टकराई हुई कार की जांच करते, उसका माप लेते और तस्वीरें खींचते नजर आ रहे हैं। इस घटना के समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस के अंदर मौजूद थे।

हालांकि, इस घटना के बाद व्हाइट हाउस को लॉकडाउन करने की जरूरत नहीं पड़ी। गेट की ओर जाने वाली सड़क को बंद कर दिया गया है और कार को हटाने तक यह बंद रहेगी।

क्या पुतिन मानेंगे?, ट्रंप की शांति योजना समझौते पर जेलेंस्की के सवाल; यूक्रेनी राष्ट्रपति ने US प्रेसिडेंट का किया समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बुधवार को कहा कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस प्रस्ताव से सहमत हैं, जिसमें कहा गया है कि रूस-यूक्रेन युद्ध में वर्तमान मोर्चा (फ्रंटलाइन) को ही बातचीत की शुरुआत का आधार बनाया जाए। हालांकि, जेलेंस्की ने यह भी कहा कि उन्हें शक है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन इस प्रस्ताव को मानेंगे। ओस्लो की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जेलेंस्की ने कहा, ट्रंप ने प्रस्ताव दिया जहां हम हैं वहीं रहें और बातचीत शुरू करें।

क्या है ट्रंप की मंशा- जेलेंस्की ने आगे कहा, मुझे लगता है कि यह एक अच्छा समझौता है, लेकिन मुझे यकीन नहीं कि पुतिन इसे स्वीकार करेंगे। उन्होंने बताया कि उन्होंने यह बात खुद ट्रंप से भी की थी।

ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि वह रूस और यूक्रेन के बीच शांति वार्ता शुरू कराने के लिए एक नई योजना पर काम कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य मौजूदा मोर्चे से आगे किसी अन्य सैन्य कार्रवाई को रोकना है। जेलेंस्की के इस बयान को कई विशेषज्ञ संभावित शांति वार्ता की दिशा में पहला सकारात्मक संकेत मान रहे हैं।

व्हाइट हाउस के अंदर चला बुलडोजर, राष्ट्रपति ट्रंप का क्या है प्लान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। डोनल्ड ट्रंप ने जब से दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति के पद की कमान संभाली है, उस समय से ही वह चर्चा में बने हुए हैं। राष्ट्रपति बनने के बाद से ही डोनल्ड ट्रंप लगातार ऐसे फैसले ले रहे हैं, जो पूरी दुनिया का ध्यान उनकी ओर खींच रहा है।

इन सब के बीच एक ऐसा मामला सामने आया है, जो सभी को हैरान कर रहा है। दरअसल, अमेरिका के राष्ट्रपति भवन यानी व्हाइट हाउस के भीतर बुलडोजर चला है। बताया जा रहा है कि बुलडोडर व्हाइट हाउस के ईस्ट विंग यानी पूर्वी भाग में गरजा। अब लोगों के मन में सवाल है कि आखिर ऐसा क्यों हुआ।

जानकारी के अनुसार, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस के भीतर ईस्ट विंग में एक नया बॉलरूम बनवाना चाहते हैं। भवन के पूर्वी हिस्से में हुई ये तोड़फोड़ इसी का हिस्सा है। बताया जा रहा है कि व्हाइट हाउस के भीतर 20 अक्टूबर को तोड़फोड़ शुरू की गई। इस दौरान विंग के छत, प्रवेश द्वार और खिड़कियों के अलावा कई इमारतों को गिराया गया। बता दें कि बॉलरूम एक बड़ा कमरा होता है, जिसका प्रयोग आम तौर पर सामूहिक आयोजनों के लिए किया जाता है।

कितनी लागत से बनेगा प्रोजेक्ट- एपी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की इस पूरी योजना की लागत करीब 250 मिलियन डॉलर है। वहीं, इस प्रोजेक्ट को पिछले 10 सालों में राष्ट्रपति भवन में हुए किसी भी बड़े बदलावों में से एक माना जा रहा है। व्हाइट हाउस के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस तोड़फोड़ की पुष्टि की गई है।

श्रीलंकाः विपक्षी नेता की ऑफिस में ही गोली मारकर हत्या, हमलावर फरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका में एक चौंकाने वाली घटना में विपक्षी नेता लसंत विक्रमसेकरा की बुधवार को उनके कार्यालय में गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह देश में बढ़ती हिंसक घटनाओं की कड़ी में पहली बार किसी राजनेता की हत्या का मामला है। 38 वर्षीय विक्रमसेकरा वेलिगामा शहर के काउंसिल चेयरमैन थे। अपने कार्यालय में मतदाताओं से मिल रहे थे, तभी एक हमलावर ने रिवॉल्वर से उन पर कई गोलियां चलाईं।

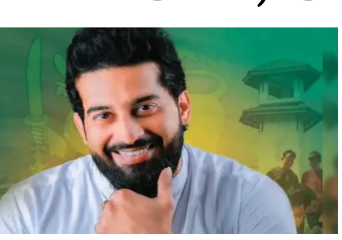

पुलिस के अनुसार, हमलावर घटनास्थल से फरार हो गया और इस हमले में कोई अन्य व्यक्ति घायल नहीं हुआ। जांच शुरू कर दी गई है, लेकिन हत्या का मकसद अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।

पुलिस ने क्या कहा- पुलिस ने एक बयान में कहा, हत्यारे को पकड़ने के लिए जांच जारी है। इस घटना ने श्रीलंका की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है।

श्रीलंका में इस साल हिंसक अपराधों में तेजी आई है। इनमें से ज्यादातर ड्रग गिरोहों और संगठित अपराध से जुड़े हैं। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, 100 से अधिक गोलीबारी की घटनाओं में कम से कम 50 लोगों की जान जा चुकी है।

यह हत्या राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके की सरकार के सत्ता में आने के बाद किसी राजनेता की पहली हत्या है। उनकी सरकार ने पिछले साल सत्ता संभालते समय कानून-व्यवस्था बहाल करने का वादा किया था।

युगांडा में हाईवे पर बस-ट्रक और कार की जोरदार भिड़ंत, 63 लोगों की मौत

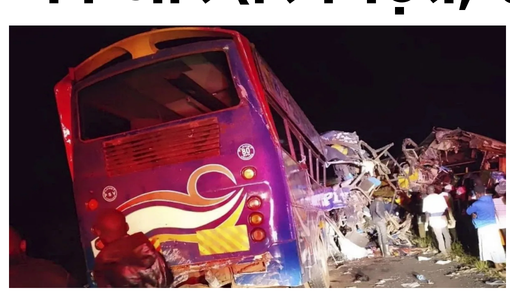

नई दिल्ली (एजेंसी)। युगांडा में बुधवार को एक भीषण सड़क हादसा हुआ। यहां पर गुलू शहर जाने वाले हाईवे पर दो बसें और दो दूसरी गाड़ियां टकरा गईं। इस हादसे में कम से कम 63 लोगों की मौत हुई है।

पुलिस के अनुसार, ये हादसा तड़के सुबह हुआ है। यह पूर्वी अफ्रीकी देश में हाल के सालों में हुए सबसे बुरे सड़क हादसे में से एक है। इस भीषण सड़क हादसे में कई लोगों के घायल होने की भी खबर है, जिनको अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

ओवरटेक की कोशिश ने ली 63 जान- पुलिस ने बताया कि विपरीत दिशा में जा रहे दो बस चालकों ने दूसरी गाड़ियों को ओवरटेक करने की कोशिश की। इसी दौरान सभी आपस में किरयांडोंगो शहर के पास टकरा गए।

चूंकि यगांडा और पूर्वी अफ्रीका में दूसरी जगहों पर सड़क हादसे आम माने जाते हैं। यहां पर सड़कों का चौड़ा न होना हादसे की मुख्य वजह बनता है। इन हादसों के लिए पुलिस आम तौर पर तेज गति को जिम्मेदार मानती है। इसी तरीके से अगस्त के महीने में केन्या में अंतिम संस्कार के बाद वापस लौट रहे लोगों की तेज रफ्तार बस पलटकर एक खाई में गिर गई। इस हादसे में 25 लोगों की जान गई थी।

बुधवार को युगांडा में हुए इस हादसे में मृतकों की संख्या काफी ज्यादा है। इस हादसे पर रेड क्रॉस की स्पोक्सपर्सन आइरीन नाकासिता की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि घायलों के हाथ-पैर टूटे हुए थे और खून बह रहा था।

धमतरी में खौफनाक वारदात, पति ने गमछे से गलो घोटकर की पत्नी की हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। लक्ष्मी पूजा के दिनलोग जहां सारे शुभ कार्यों में लगे रहते हैं, तो वहीं उसी रात एक पति ने अपने गमछा से अपनी पत्नी की गला घोटकर दर्दनाक हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपित पति ने अपने मोबाइल के स्टेटस पर पत्नी की हत्या कर देने और स्वयं फांसी लगाकर आत्महत्या करने की जानकारी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित किया।

सुबह कमरे में पति-पत्नी की लाश मिली, तो स्वजनों व ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने घटना की जानकारी दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा पश्चात पोस्टमार्टम कराया और अंतिम संस्कार के लिए स्वजनों को सौंप दिया है। आरोपित पति द्वारा पत्नी की हत्या करने का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं है।

करेलीबड़ी पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम हरदी निवासी हितेश यादव (22 वर्ष) अपनी पत्नी लक्ष्मी यादव (20 वर्ष) के साथ 20 अक्टूबर की रात 11 बजे लक्ष्मी पूजा के दिन पूजा-अर्चना करने के बाद अपने घर के कमरे में सोने चले गए। दूसरे दिन 21 अक्टूबर की सुबह करीब सात बजे जब दोनों दरवाजा नहीं खोल रहे थे, तो मृतिका के जेठ गितेश्वर यादव ने आवाज लगाई और अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर सीढ़ी लगाकर कमरे के खिड़की से देखा तो लक्ष्मी यादव का शव जमीन पर पड़ा हुआ था और उसके पति हितेश यादव फांसी के फंदे पर झूल रहे थे।

स्वजनों ने तत्काल दरवाजा तोड़कर दोनों को देखा, तो मृत्यु हो चुकी थी। घटना की खबर गांव में फैला, तो देखने ग्रामीणों की भीड़ लग गई। स्वजन व ग्रामीणों ने घटना की जानकारी करेलीबड़ी पुलिस में दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वहीं एफएसएल की टीम तत्काल मौके पर पहुंचकर मर्ग कायम कर विवेचना की।

दीवाली पर हादसे का शिकार हुई 10 साल की मासूम बच्ची, आंख में घंटी घुसने के बाद AIIMS में भर्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिवाली की रात 10 साल की एक बच्ची के साथ दर्दनाक हादसा हो गया। जब घर वाले दिवाली की पूजा कर रहे थे, उस दौरान एक मासूम बच्ची खेलते खेलते अचानक फिसल कर गिर गई। गिरते समय उसकी आंख में पूजा करने वाली घंटी घुस गई, जो सीधे आंख को चिरते हुए मस्तिक में घुस गई।

बच्ची को नाजुक अवस्था में देर रात सिम्स लाया गया था, जहां इलाज के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए तत्काल रायपुर एम्स रिफर कर दिया गया। एम्स अस्पताल में डाक्टरों की विशेष टीम उसका इलाज कर रही है।

कैसे हुआ हादसा- मस्तूरी निवासी दीपक सिंह अपने परिवार के साथ 20 अक्टूबर की रात पूजा कर रहेगा थे। जहां पर ही उनकी दस साल की बेटी काव्या सिंह खेल रही थी और इसी समय काव्या पूजास्थल के पास आकर खेलने लगी और अचानक ही उसका पैर फिसल गया। काव्या के गिरने पर नीचे रखी पूजा करने वाली घंटी आंख में घुस गई और देखते ही देखते दिवाली की खुशी गमगीन हो गई। इस घटना से पूरे घर में हड़कंप मच गया। इसके बाद उसे नजदीक के अस्पताल में लाया गया, जहां से उसे सिम्स रेफर किया गया।

मैं शरीर ढक कर बैठी हूं, ताज होटल में कुर्सी पर पालथी मारकर बैठी महिला को मैनेजर ने टोका; फिर जो हुआ...

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है जिसमें एक महिला ताज होटल की कड़ी आलोचना करती दिखाई दे रही है। महिला वीडियो में कहती है कि उसे ताज होटल के मैनेजर ने इस वजह से टोका क्योंकि वो डिनर टेबल पर पालथी मारकर बैठी थी।

सोशल मीडिया पर ये वीडियो सामने आने के बाद वायरल हो गया। लोग इस वीडियो पर जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

महिला ने ताज होटल पर लगाया आरोप- सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर @SharmaShradha द्वारा शेयर किए गये इस विडियो में महिला दावा करती है कि ताज होटल में डिनर करते समय मैनेजर उसके पास आया और बोला कि वो पालथी मारकर न बैठे क्योंकि इससे दूसरे मेहमानों को दिक्कत हो रही है।

पालथी मारकर बैठने पर मैनेजर ने टोका- वीडियो में महिला ने आगे कहा कि एक आम आदमी जो कड़ी मेहनत करता है, अपना पैसा कमाता है और सम्मान के साथ ताज होटल आता है, उसे भी इस देश में बेइज्जती का सामना करना पड़ता है।

मेरी क्या गलती है? सिर्फ इतनी कि मैं पालथी मारकर बैठी हूं? क्या यह मेरी गलती है कि ताज मुझे बैठना सिखा रहा है? वीडियो वायरल होते ही सोशल मीडिया पर यूजर्स ने इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया दी है।

क्या सिद्दरमैया राजनीति से लेने जा रहे संन्यास? बेटे यतींद्र के बयान पर सियासी हलचल तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक की राजनीति में इन दिनों गहमा-गहमी बनी हुई है. इस बीच नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच सिद्दरमैया के बेटे ने बड़ा बयान दिया है. सिद्दरमैया के बेटे यतींद्र ने कहा है कि वह (सिद्दरमैया) अपने राजनीतिक जीवन के अंतिम चरण में हैं और उन्हें अपने कैबिनेट सहयोगी सतीश जारकीहोली का मार्गदर्शक बनना चाहिए।

सिद्दरमैया के बेटे का बड़ा बयान- इससे पहले भी सिद्दरमैया को आगे आकर उन खबरों का खंडन करना पड़ा था कि वह उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के लिए मुख्यमंत्री का पद छोड़ देंगे। सिद्दरमैया ने पत्रकारों से कहा था कि मैं पूरे पांच साल के कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री रहूंगा.

राजनीति से संन्यास की अटकलें- नेतृत्व परिवर्तन पर पार्टी के खंडन करने के बावजूद ये बात उठती रही है कि कांग्रेस के अंदर दो अलग-अलग खेमे हैं. एक सिद्दरमैया का समर्थन कर रहा है और दूसरा शिवकुमार का। लोक निर्माण विभाग मंत्री सतीशजरकीहोली पूरी तरह से सिद्दरमैया खेमे के साथ दिख रहे हैं। इसलिए सभी को आश्चर्य हुआ जब सिद्दरमैया के बेटे यतीन्द्र ने बुधवार को कहा कि मुख्यमंत्री अपने करियर के अंतिम चरण में हैं और उन्होंने सुझाव दिया कि उन्हें जारकीहोली जैसे किसी व्यक्ति को मार्गदर्शन देना चाहिए।

सोची समझी चाल- राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि यतीन्द्र का ये बयान सोचो समझी चाल है. साथ ही उनका उद्देश्य शिवकुमार और उनके समर्थकों को यह संदेश देना है कि सत्ता सिद्दरमैया खेमे के पास ही रहेगी।

बंगाल में SIR को लेकर बड़ी कार्रवाई, 1000 BLO को चुनाव आयोग ने जारी किया नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआइआर) को लेकर बंगाल मे राजनीति गर्म है। इस बीच राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने बंगाल के लगभग 1000 बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया है। सूत्रों के अनुसार इन सभी बीएलओ ने एसआइआर के लिए कार्य से मुक्ति देने की मांग की है। संबंधित बीएलओ से कार्य से मुक्ति मांगने का कारण बताने को कहा गया है।

बीएलओ नहीं स्वीकार कर रहे थे नियुक्ति पत्र- आयोग ने कुछ दिन पहले ही बीएलओ की नियुक्ति शुरू की है। कुछ दिन पहले ही राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने अपने सचिव विनोद कुमार को सूचित किया था कि कई जिला मजिस्ट्रेटों और जिला निर्वाचन अधिकारियों की रिपोर्ट से पता चलता है कि कई शिक्षक बीएलओ के नियुक्ति पत्र स्वीकार नहीं कर रहे हैं। उनसे नियुक्ति न चाहने का कारण बताने को कहा गया है।

पहले भी जारी हो चुका है नोटिस- इससे पहले भी कई बीएलओ को इसी कारण से कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। उन्हें नोटिस मिलने के 72 घंटों के भीतर जवाब देने का भी आदेश दिया गया। बिहार में एसआइआर का दौर खत्म हो गया है। इसके तुरंत बाद मतदाता सूची जारी हो चुकी है। आयोग ने कहा कि यह सर्वेक्षण न केवल बिहार में, बल्कि पूरे देश में कराया जाएगा। राज्य में एसआइआर की तैयारियां जोरों पर हैं। सभी जिलों में मतदाता सूची की मैपिंग और अपलोडिंग का काम तेजी से किया जा रहा है।

मतदाता सूची में एसआइआर पर होगी बैठक- सूत्रों के अनुसार मैपिंग के मामले में 2002 की एसआइआर सूची का मिलान नवीनतम प्रकाशित मतदाता सूची से किया जा रहा है। ऐसे में इस बार आयोग ने एक-एक करके बीएलओ को कारण बताओ नोटिस भेजना शुरू कर दिया है। उधर, चुनाव आयोग ने देश के सभी मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) को बुधवार और गुरुवार को दिल्ली तलब किया है।

तमिलनाडु– भारी बारिश के चलते ढही इमारत की दीवार, दो महिलाओं की दब कर मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु में इन दिनों भारी बारिश का कहर जारी है। इस बीच तमिलनाडु के कुड्डालोर में बारिश के चलते एक इमारत की दीवार ढह गई। दीवार ढहने से मलबे में दबकर दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान अलपक्कम के पास बूटनकट्टी निवासी 39 वर्षीय ए. इलामथी और 35 वर्षीय डी। इंद्रा के रूप में हुई है।

सूचना मिलते ही कुड्डालोर पुलिस ने दोनों महिलओं के शवों को बरामद कर कुड्डालोर सरकारी सामान्य अस्पताल भेज दिया। मुख्यमंत्री एमकेस्टालिन ने महिला श्रमिकों की मौत पर शोक जताया, साथ ही मृतकों के परिवारों को मुख्यमंत्री जन राहत कोष से 4-4 लाख रुपये की सहायता राशि देने की भी घोषणा की।

मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी में एक निम्न दाब क्षेत्र बन रहा है जिसके चलते अगले अगले 24 घंटे में राज्य में और अधिक बारिश की संभावना बन रही है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार रानीपेट और तिरुवल्लूर जिले में कुछ स्थानों पर बारिश हो सकती है, वहीं चेन्नई, चेंगलपट्टू और कांचीपुरम में भी भारी बारिश होने की संभावना है।

तमिलनाडु के कई जिलों में रेड अलर्ट जारी- बुधवार सुबह मौसम विभाग ने चेंगलपट्टू, विल्लुपुरम, मयिलादुथुराई और कुड्डालोर जिलों के लिए रेडअलर्ट जारी किया था। आंध्र के नेल्लोर, प्रकाशम, तिरूपति, अन्नामय्या, चित्तूर और कडप्पा में भी भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। आंध्र के कुरनूल, नंद्याल, अनंतपुर और श्री सत्यसाई के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

बता दें किसी क्षेत्र में रेडअलर्ट भारी से अत्यंत भारी भारिश (24 घंटे में 20 सेमी से अधिक) और ऑरेंज अलर्ट बहुत भारी बारिश (अर्थात 24 घंटों में 11 से 20 सेमी। के बीच) का संकेत देता है। मंगलवार सुबह 5।30 बजे तक 21 घंटों में कुड्डालोर में सबसे अधिक 174 मिमी बारिश दर्ज की गई, इसके बाद पुडुचेरी (147 मिमी) और चेन्नई के नुंगमबक्कम क्षेत्र (86।4 मिमी) में बारिश दर्ज की गई थी।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
हिन्दकुश
info@hindkush.in
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
जागृयाम
info@jagrayam.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल द्वतीया

संपादकीय

भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है...

भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है, जिसकी जनसंख्या 80 करोड़ से अधिक (लगभग 65 प्रतिशत) 35 वर्ष की आयु से कम है। देश वर्तमान में अपने जनसांख्यिकीय लाभांश चरण में है, जो आर्थिक विकास क्षमता की 50 वर्ष (2005-2055) खिड़की है, जब कामकाजी आयु के व्यक्तियों का अनुपात (15-64 वर्ष) बच्चों और बुजुर्गों को समर्थन देने के लिए पर्याप्त है। हालांकि, इस लाभांश को प्राप्त करने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार सृजन की आवश्यकता होती है ताकि युवा पूरी तरह से योगदान कर सकें। महत्वपूर्ण प्रश्न यह हैः- क्या भारत इस अवसर का लाभ उठाएगा? क्या हमें यकीन है कि हमारी युवा पूरी तरह से अलग बस नहीं चला रही हैं? प्रत्येक वर्ष, लगभग 22 लाख छात्र दो लाख एमबीबीएस और संबंधित सीटों के लिए नीट-यूजी लेते हैं तथा 42,000 आईआईटी और अन्य स्थानों के लिए 14 लाख जेई मेन का प्रयास करते हैं।

प्रत्येक छात्र के लिए 2.5 वर्ष (912.5 दिन) की तैयारी का अनुमान लगाते हुए, नीट में 20 लाख असफल उम्मीदवार 182 करोड़ मानव-दिन खर्च करते हैं। जेईई के 13.5 लाख में एक और 123 करोड़ जोड़ दिए गए हैं, जिससे प्रतिवर्ष कुल 305 करोड़ मानव दिन बर्बाद हो जाते हैं।

इससे खोए गए उत्पादन में 2.07 लाख करोड़ रुपये का अनुवाद होता है, जो संलग्न अस्पतालों के साथ 115-390 नए मेडिकल कॉलेजों (प्रत्येक 528-1,760 करोड़ रुपये) को वित्तपोषित कर सकता है; और अगले वर्ष 235-470 इंजीनियरिंग कॉलेज (प्रत्येकी 440-880 करोड़ रुपये)।

इन 33 लाख असफल छात्रों के लिए, उनका बचपन बिना किसी समान लाभ के हमेशा के लिए खो जाता है। यदि उन्होंने अपनी पसंद का खेल खेला होता तो कुछ लोग सफल पेशेवर बन सकते थे या कम से कम स्वस्थ जीवन जी सकते थे। इसके अलावा, एनएसएस के 80वें दौर का व्यापक मॉड्यूलर सर्वेक्षण- शिक्षा, 2025 में बताया गया है कि 27 प्रतिशत छात्र औसत 2,409 रुपये पर निजी कोचिंग चुनते हैं, जो केवल उच्च माध्यमिक स्तरों के लिए 16,116 करोड़ रुपए तक पहुंच जाता है। इन्फिनियम ग्लोबल रिसर्च के अनुसार, भारत का कोचिंग व्यवसाय अब 70,000 करोड़ रुपये का है और यह 2028 तक दोगुना होने की उम्मीद है।

यह समस्या इन दो परीक्षाओं से परे है। सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई) के लिए प्रतिवर्ष 10 लाख से अधिक आवेदक उपस्थित होते हैं, जिसका लक्ष्य लगभग 1,000 पदों पर है। यह अन्य सरकारी नौकरियों की तलाश करने वाले लाखों लोगों से कम है (नीचे बताया गया)। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के संजीव सान्याल ने सीएसई कोचिंग को प्रतिभाओं का व्यापक गलत आवंटन कहा है, जो कि ओपियम बेचने वाली माफिया जैसा है चयन के लिए एक भाग्यशाली डुबकी अधिक मानवीय होगी। इससे देश के विकास में योगदान देने वाले अन्य सार्थक क्षेत्रों में लाखों लोगों का समय, धन और ऊर्जा बचाई जाएगी।13 वर्ष की आयु के बच्चे उन में से 90 प्रतिशत से अधिक को खत्म करने के लिए डिज़ाइन की गई प्रणाली से असफलता का संदेश आंतरिक रूप से प्राप्त करते हैं, जिससे जीवन भर तक आघात, अवसाद और समय बर्बाद होने पर अपराध महसूस होता है। एनसीआरबी के भारत में अपराध 2023 के अनुसार, 2013 से 2023 तक भारत ने आत्महत्या करने वाले 1,17,849 छात्रों को खो दिया। यह संख्या अकेले 2023 में 13,892 की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई, जो 2022 से 6.5 प्रतिशत बढ़ी। बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन प्रत्येक बच्चे को अपनी व्यक्तित्व और प्रतिभाओं को अधिकतम क्षमता तक विकसित करने के साथ-साथ आराम, अवकाश और खेल का अधिकार प्रदान करता है ।

जोगिन्दर सिंह

सूबेदार जोगिन्दर सिंह परमवीर चक्र से सम्मानित भारतीय सैनिक थे। इन्हें यह सम्मान सन 1962 में मरणोपरांत मिला। स्वतंत्र भारत ने चीन से बस एक युद्ध 1962 में लड़ा जिसने उसे बहुत सारे अनुभव दिए। ये अनुभव फौजी हकीकत से तो जुड़े हुए थे ही इनमें राजनैतिक तौर पर भी बहुत कुछ आँख खोल देने वाला था। इस युद्ध में चीन के साथ लड़ते हुए भारत के चार पराक्रमी योद्धाओं ने परमवीर चक्र प्राप्त किए। इन चारों में से तीन को तो यह यश मरणोपरान्त मिला और केवल एक वीर सारी कथा को बताने के लिए जीवित बचा रहा। उन तीनों योद्धाओं में जो रणभूमि में वीरगति को प्राप्त हुए, एक सूबेदार जोगिन्दर सिंह भी थे जो 1 सिख रेजिमेंट के सेनानी थे और टोंगपेन ला, नेफा में बूमला मोर्चे पर लड़ रहे थे।

जीवन परिचय

26 सितम्बर 1921 को पंजाब में मोगा के गाँव मेहाकलन में जन्मे जोगिन्दर सिंह बहुत समृद्ध परिवार से नहीं थे। इसी कारण उनकी विधिवत शिक्षा भी लगभग नहीं हुई थी। ऐसी स्थिति में जोगिन्दर की सोच थी कि सेना ही उनके एक बेहतर जगह हो सकती है। सेना में आकर उनकी प्रतिभा का विकास हुआ और उन्होंने वहाँ आर्मी एजूकेशन परीक्षाएँ पास करके अपनी सम्मानपूर्ण जगह बनाई। वह यूनिट एजूकेशन इन्स्ट्रक्टर बना दिए गए। उनकी ड्रिल और उनकी वर्दी का रख - रखाव आदि इतना अच्छा था कि उनका उदाहरण दिया जाता था। चीन के साथ भारत युद्ध की भूमिका बहुत सुखद नहीं कही जा सकती क्योंकि साठ का दशक भारत के लिए विकास का दौर था। और उसे इस बात का कतई अंदाज़नहीं था कि चीन जैसा देश उस पर साम्राज्यवादी दृष्टि गड़ाई बैठा है। हालाँकि चीन अपनी विस्तारवादी नीति के तहत तिब्बत को हथिया ही चुका था। उस समय भारत का रुझान न तो सैन्य व्यवस्था को आगे रखकर उसे मजबूत करने का था, न ही, उसे अपनी शान्तिपूर्ण अन्तरराष्ट्रीय नीति को लेकर कोई शंका थी। ऐसे में चीन का आक्रमण भारत के लिए एक चौंका देने वाला परिदृश्य था। उनकी फौजी ताकत और तैयारी तो कमज़ोर थी ही, राजनैतिक दृष्टि भी उतनी परिपक्व नहीं थी जो वह स्थितियों का अंदाज़लगा सके और आगे, उस की जानकारी पाकर अपना सन्तुलित कदम तय कर सके। उधर चीन पूरी मुस्तैदी से अपनी से अपनी विस्तारवादी नीति पर चलते हुए भारत की ओर अपना फौजी जमावड़ा बढ़ाता जा रहा था। फिर स्थिति यह आ गई कि भारत को भी कुछ निर्णय लेना पड़ा।

भारत-चीन युद्ध (1962)

9 सितम्बर 1962 को भारत के रक्षा मन्त्री वी. के. कृष्ण मेनन ने एक सभा में एक निर्णय लिया कि चीन को थागला रिज की दक्षिणी सीमा से बाहर कर देना है। उस समय भारत के तत्कालीन प्रधानमन्त्री पण्डित जवाहर लाल नेहरू कामनवेल्थ देशों के प्रधान मन्त्रियों की बैठक में भाग लेने लन्दन गए हुए थे। रक्षा मन्त्री की मीटिंग में लिए निर्णय से नेहरू जी को अवगत कराया गया और उन्होंने उस पर अपनी सहमति दे दी और इस तरह 7 इन्फेंट्री ब्रिगेड को नामका चू की ओर कूच करने के आदेश दे दिए गए। इस ठिकाने पर चीनी फौजों का जमावड़ा पूरी तैयारी से घात लगाए बैठा था। यहाँ एक नासमझी और हुई। इस निर्णय और खबर को भारतीय प्रेम ने भरपूर ढंग से बढ़ा - चढ़ा कर छापा जिसमें चीन के लिए ललकार भी थी। जब कि असलियत में भारत की फौजों की तैयारी उतनी काफ़ी नहीं थी। हथियारों और गोला बारूद की भारी कमी के बावजूद भारत के सैनिक और अफसर बेहद बहादुर और जोश से भारे हुए थे। आखिर 20 अक्तूबर 1962 को चीन और भारत बूमला मोर्चे पर अपनी- अपनी फौजों के साथ आपने- सामने आ गए। हमले के बाद जल्दी ही 7 इन्फेन्टरी ब्रिगेन नामका चू पर चीन की फौजों के हाथों साफ हो गई। उनके बाद चीनी फौजें तावांग की ओर बढीं।

सूबेदार जोगिंदर सिंह ने दिखाया अदम्य साहस

यह फौज गिनती में पूरे एक डिवीजन भर थी जब कि उसके सामने भारत की केवल 1 सिख कम्पनी थी। इस कम्पनी की अगुवाई सूबेदार जोगिन्दर सिंह कर रहे थे। 20 अक्तूबर 1962 का दिन था। सूबेदार जोगिन्दर सिंह रिज के पास नेफा में टोंग पेन में अपनी टुकड़ी के साथ तैनात थे। सुबह साढ़े पाँच बजे चीन की फौजों ने बूमला पर जबरदस्त धावा बोला। उनका इरादा टोवांग तक पहुँच जाने का था। दुश्मन की फौज ने तीन दौरों में उन मोर्चे पर हमला किया। हर बार सैनिकों की संख्या 200 थी। पहला हमला सूबेदार की फौजें बहादुरी से झेल गई जिसमें चीन को कोई कामयाबी नहीं मिली। उसका भारी नुकसान भी हुआ। और उसे थम जाना पड़ा। कुछ ही देर बाद दुश्मन ने फिर धावा बोला। उसका भी सामना जोगिन्दर सिंह ने बहादुरी से किया। जो बोले सो निहाल... का नारा लगाते और दुश्मन का हौसले पस्त कर देते। लेकिन दूसरा हमला जोगिन्दर सिंह की आधी फौज साफ कर गया। सूबेदार जोगिन्दर सिंह खुद भी घायल थे। उनकी जाँघ में गोली लगी थी फिर भी वह जिद में थे कि रण नहीं छोड़ेंगे। उनके नेतृत्व में उनकी फौज भी पूरे हौसले के साथ जमी हुई थी, हालाँकि उसमें भी सैनिक घायल हो चुके थे। तभी दुश्मन की ओर से तीसरा हमला किया गया। अब तो सूबेदार जोगिन्दर सिंह ने खुद हाथ में मशीनगन लेकर गोलियाँ दागनी शुरू कर दीं थीं। चीन की फौज का भी इस हमले में काफ़ी नुकसान हो चुका था, लेकिन वह लगातार बढ़ते जा रहे थे फिर स्थिति यह आई कि सूबेदार की फौज के पास गोलियों का भण्डार खत्म हो गया। अब बारी थी संगीन को खंजर की तरफ इस्तेमाल करके दुश्मन का काम तमाम करने की।

शहादत

सूबेदार और उनके साथी इस मुठभेड़ में भी बिना हिम्मत हारे पूरे जोश के साथ जूझते रहे और आगे बढ़ती चीन की फौजों को चुनौती देते रहे। आखिर वह और उनके बचे हुए सैनिक दुश्मन के कब्जे में आ गए। यह सच था कि वह मोर्चा भारत जीत नहीं पाया लेकिन उस मोर्चे पर सूबेदार जोगिन्दर सिंह ने जो बहादुरी आखिरी पल तक दिखाई, उसके लिए उनको सलाम। सूबेदार जोगिन्दार सिंह दुश्मन की गिरफ्त में आ गए, उसके बाद उनका कुछ पता नहीं चला। चीनी फौजों ने न तो उनका शव भारत को सौंपा, न ही उनकी कोई खबर दी। इस तरह उनकी शहादत अमर हो गई।

Equity Mutual Fund में निवेश करने वालों को झटका, 7 साल में पहली बार दिया नेगेटिव रिटर्न

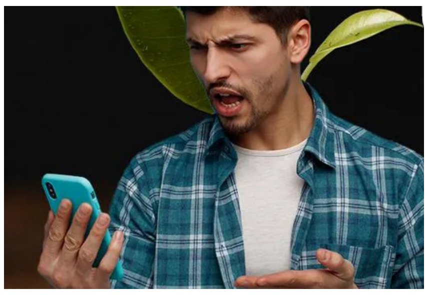

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आपने म्यूचुअल फंड में निवेश कर रखा है तो यह खबर आपके काम की हो सकती है। दरअसल, बीते कुछ सालों में Mutual Fund में निवेश करने वालों की संख्या में बहुत तेजी आई है। म्यूचुअल फंड के भी कई प्रकार होते हैं। कुछ लोग इक्विटी तो कुछ लोग Debt Funds तो कुछ लोग Hybrid Funds में निवेश करते हैं। लेकिन यह खबर Equity Funds को लेकर है। दरअसल, पिछले 7 सालों में ऐसा पहली बार हुआ है कि इस म्यूचुअल फंड ने नेगेटिव रिटर्न दिया है। लेकिन कितना आइए इसे जानते हैं।

इक्विटी म्यूचुअल फंड का कैसा रहा हाल- इक्विटी म्यूचुअल फंड योजनाओं का एक साल का रोलिंग प्रदर्शन अगस्त 2025 तक शून्य से नीचे गिर गया। इससे पहले 2018 में ऐसा देखा गया था। इस खबर ने निवेशकों के मन में एक सवाल पैदा कर दिया है। सवाल इस बात कि क्या उनका किया हुआ निवेश खतरे में है? हम सब जानते हैं कि म्यूचुअल फंड में किया हुआ निवेश बाजार जोखिमों के अधीन होता है।

उद्योग के आंकड़ों के अनुसार इक्विटी म्यूचुअल फंड रिटर्न, लगभग 7 वर्षों तक चले लंबे तेजी के दौर के बाद नकारात्मक हो गया। यह गिरावट बाजार के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक रूप से कमजोर स्थिति और निवेशकों की जोखिम उठाने की क्षमता में कमी, दोनों को दर्शाती है।

एक साल के रोलिंग आधार पर, इक्विटी म्यूचुअल फंडों ने फरवरी 2025 से डेट फंडों की तुलना में भी कम प्रदर्शन किया है। यह महामारी कोविड 19 के बाद के सामान्य रुझान का उलट है। इक्विटी और डेट रिटर्न के बीच का अंतर, जिसे अक्सर इक्विटी प्रीमियम कहा जाता है, घटकर केवल 10त्न रह गया है, जो अक्टूबर 2020 के बाद से सबसे कम अंतर है।

इक्विटी म्यूचुअल फंडों में शुद्ध निवेश लगातार तीन महीनों से धीमा है। जुलाई 2025 में ?42,700 करोड़ के शिखर से, अगस्त में निवेश घटकर ?33,430 करोड़ और सितंबर में ?30,400 करोड़ रह गया। कभी खुदरा निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र रही स्मॉलकैप कैटेगरी में शुद्ध निवेश में दूसरी सबसे बड़ी गिरावट देखी गई, जबकि थीमैटिक और सेक्टोरल फंड दबाव में बने हुए हैं।

क्या आपको निवेश करना चाहिए- चुनौतियों के बावजूद, कुछ विश्लेषक भारतीय शेयर बाजारों के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए हुए हैं।

जयप्रकाश एसोसिएट्स की एक और कंपनी होगी दिवालिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिक चुकी जयप्रकाश एसोसिएट्स के लिए एक और बुरी खबर आई है। दरअसल नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने कर्ज में डूबे ग्रुप जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड की सब्सिडियरी कंपनी भिलाई जेपी सीमेंट के खिलाफ 45 करोड़ रुपये न अदा करने के लिए दिवाला कार्यवाही शुरू करने को कहा है।

बता दें कि कंपनी के कर्जदाता सिद्धगिरि होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड ने इसके खिलाफ एक याचिका दायर की थी, जिसे स्वीकार कर लिया गया था। अब उसी याचिका पर ये फैसला आ गया है। सिद्धगिरि होल्डिंग्स के भिलाई जेपी सीमेंट को कोयले की आपूर्ति के 45 करोड़ रुपये बकाया हैं।

एनसीएलटी की दो सदस्यीय पीठ ने इंटरिम रेजोल्यूशन प्रोफेशनल (आईआरपी) को अपाइंट करने के साथ ही इसके बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स को सस्पेंड कर दिया है। भिलाई जेपी सीमेंट कर्जदाता सिद्धगिरि होल्डिंग्स से लगातार कोयला खरीद रही थी। हालांकि सितंबर 2021 और जून 2022 के बीच 2,000 मीट्रिक टन (प्रत्येक) कोयले के तीन ऑर्डर्स (जिनकी कुल मात्रा 6,000 मीट्रिक टन थी) को लेकर विवाद हो गया।

खरीद आदेशों के अनुसार, हर एक का भुगतान भिलाई जेपी सीमेंट को आपूर्ति के 15 दिन बाद करना था।

अनजान शेयरों ने महीने भर में दिया 163% तक रिटर्न, 14 का है सबसे सस्ता स्टॉक; आपने खरीदा क्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में हजारों कंपनियां लिस्टेड हैं। इनमें बहुत से कंपनियां ऐसी होंगी, जिनके नाम भी आपने शायद ही सुने हों। पर अकसर इनमें से कुछ शेयर बहुत कम समय में अच्छा रिटर्न दे देते हैं। ऐसे शेयरों में से एक माइक्रो या स्मॉल कैप होते हैं। आज हम यहां आपको ऐसे ही 5 शेयरों की जानकारी देंगे, जिन्होंने एक महीने निवेशकों को तगड़ा रिटर्न दिया है।

इसका शेयर बीते एक महीने में 16.83 रुपये से 44.34 रुपये पर पहुंच गया। इससे निवेशकों को 163.46 फीसदी रिटर्न मिला। इस शेयर ने एक महीने में निवेशकों का पैसा 2.63 गुना कर दिया है। iStreet Network की मार्केट कैपिटल 310.97 करोड़ रुपये है।

ऑटोराइडर्स इंटरनेशनल का शेयर 1,948.25 रुपये से 5,087.60 रुपये पर पहुंच गया। इससे निवेशकों को 161.14 फीसदी रिटर्न मिला। इसकी मार्केट कैपिटल 295.15 करोड़ रुपये है। ये भारत में एक कार रेंटल कंपनी है, जो 1994 में शुरू हुई थी। ये कॉर्पोरेट क्लाइंट और टूरिस्ट दोनों के लिए प्रीमियम सर्विस देने में माहिर है।

इसने बीते एक महीने में 152.16 फीसदी रिटर्न दिया। ये शेयर इस दौरान 30.83 रुपये से 77.74 रुपये पर पहुंच गया। ये सिर्फ 41 करोड़ रुपये की मार्केट कैपिटल वाली कंपनी है। Vaghani Techno Build एक रियल एस्टेट कंपनी है।

सार्थक ग्लोबल का शेयर एक महीने में 28.36 रुपये से 71.51 रुपये पर पहुंच गया और 152.15 फीसदी फायदा कराया। कंपनी शुरू में ये फंड बेस्ड एक्टिविटीज में लगी हुई थी, जैसे लिस्टेड और जानी-मानी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के इक्विटी शेयर्स में इन्वेस्टमेंट। इसके बाद कंपनी ने शॉर्ट टर्म मनी मार्केट ऑपरेशन्स जैसे इंटर कॉर्पोरेट डिपॉजिट्स, शॉर्ट टर्म और अनसिक्योर्ड एडवांस वगैरह में डायवर्सिफाई किया।

नौकरी के लिए सऊदी अरब जाने वाले लोगों के लिए खुशखबरी, खत्म हुआ कफाला सिस्टम

नई दिल्ली (एजेंसी)। सऊदी अरब में काम कर रहे लाखों अप्रवासी मजदूरों के लिए एक राहत भरी खबर आई है। दरअसल, एक ऐतिहासिक कदम के तहत सऊदी अरब ने आधिकारिक तौर पर अपनी दशकों पुरानी कफाला प्रणाली को समाप्त कर दिया है, जिससे विवादित स्पॉन्सरशिप फ्रेमवर्क का अंत हो गया है, जो 70 वर्षों से अधिक समय से लाखों प्रवासी श्रमिकों के जीवन को नियंत्रित कर रहा था।

जून 2025 में घोषित यह रिफॉर्म, सऊदी अरब की लेबर पॉलिसी में सबसे महत्वपूर्ण बदलावों में से एक है। इसका सीधा असर लगभग 1.3 करोड़ विदेशी कामगारों पर पड़ने की उम्मीद है, जिनमें से ज़्यादातर दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया से आते हैं। भारत से भी बड़ी संख्या में श्रमिक काम के लिए सऊदी अरब जाते हैं। इस फ़ैसले को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खाड़ी देशों में प्रवासी कल्याण और मानवाधिकारों के लिए एक मील का पत्थर माना जा रहा है।

कफ़ाला शब्द, जिसका अरबी में अर्थ प्रायोजन (स्पॉन्सरशिप) होता है। दरअसल, यह एक ऐसी व्यवस्था को दर्शाता था जो हर प्रवासी मज़दूर को एक स्थानीय नियोक्ता, या कफ़ील, से बांधती थी। 1950 के दशक में स्थापित, इस व्यवस्था का मूल उद्देश्य सऊदी अरब में ऑयल बूम के दौरान आने वाले विदेशी मज़दूरों के प्रवाह को नियंत्रित करना था।

सोना 6700 रुपए सस्ता हुआ तो चांदी में 18500 रुपए की भारी गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी)। त्योहारी सीजन से पहले सोना-चांदी की कीमतें जितनी रफ्तार से बढ़ रही थीं, अब उतनी ही तेजी से कीमतें गिर रही हैं। जहां अंतरराष्ट्रीय बाजार में 12 साल की रिकॉर्ड गिरावट दर्ज हुई तो वहीं घरेलू बाजार में भी सोना-चांदी की कीमतों में रिकॉर्ड कमी दर्ज हुई है। इंडिया बुलियन एंड एसोसिएशन ज्वैलर्स पर 24 कैरेट गोल्ड में 2823 रुपए प्रति 10 ग्राम की गिरावट दर्ज हुई। जबकि चांदी में 7599 रुपए प्रति किलोग्राम की भारी कमी आई।

IBJA पर आज क्या सोना-चांदी का भाव- 24 कैरेट सोने का भाव 1,23,907 रुपए प्रति 10 ग्राम था, जो पिछले कारोबारी सत्र के दौरान 126730 रुपए था। इसमें 2893 रुपए की कमी आई। ठीक इसी तरह 22 कैरेट गोल्ड में 2586 रुपए की गिरावट दर्ज की गई। इसकी कीमत 1,23,499 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। वहीं चांदी में 1,51,501 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई। पिछले कारोबारी सत्र के दौरान इसकी कीमत 1,60,100 रुपए प्रति किलोग्राम थी। यानी इसमें 7599 रुपए की भारी गिरावट आई है।

7 अक्टूबर के बाद से कितना गिरा सोना-चांदी?

खास बात यह है कि धन तेरस के बाद से सोना चांदी में रिकॉर्ड गिरावट देखी गई। IBJA के मुताबिक, पिछले पांच दिन में सोना जहां 6796 रुपए सस्ता हुआ है, तो वहीं चांदी में 18,774 रुपए की भारी गिरावट आई है। 17 अक्टूबर को 24 कैरेट गोल्ड का भाव 1,30,874 रुपए प्रति 10 ग्राम था, जो अब 1,23,907 रुपए रह गया। तो वहीं चांदी 1,71,275 रुपए प्रति किलोग्राम थी, जो 22 अक्टूबर को 1,52,501 रुपए रह गई।

सोने की कीमत में 0.94त्न की गिरावट देखी गई, जो 4085 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया, जो हाल के उच्चतम स्तर 4381 डॉलर से 300 डॉलर कम है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में 12 साल की रिकॉर्ड गिरावट के बाद, आज स्न्ष्ठङ्ग पर शाम 5 बजे सोने और चांदी में तेज गैप डाउन ओपनिंग की उम्मीद है। अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता, मजबूत डॉलर, और भारत में मौसमी मांग खत्म होने से कीमतें प्रभावित हुईं। विशेषज्ञों का कहना है कि ऊंचे पोजीशन स्तरों ने बिकवाली को बढ़ावा दिया, लेकिन दीर्घकालिक सकारात्मक कारक कीमतों को समर्थन दे सकते हैं।

ठंड में रजाई बेचकर कमा सकते हैं लाखों रुपये, मात्र इतने रुपये में शुरू कर सकते हैं ये बिजनेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। ठंड का मौसम शुरू हो चुका है। अक्टूबर जाने को है और नवंबर से प्रॉपर ठंडी आ जाती है। सर्दियों के मौसम में कई तरह के बिजनेस किए जा सकते हैं। अगर आप घर पर बैठे-बैठे बोर हो रहे हैं तो सर्दियों के मौसम में बिजनेस करने की सोच रहे हैं तो आज हम आपके सर्दियों के मौसम में किए जाने वाले एक टॉप बिजनेस आइडिया के बारे में बताएंगे, जिसे करके आप ठंड के मौसम में लाखों रुपये छाप सकते हैं। क्योंकि हम आपको जो बिजनेस आइडिया बताने वाले हैं, ठंड में उसकी बहुत ही डिमांड रहती है।

सर्दियों के मौसम में रजाई या फिर कंबल का बिजनेस करने से मोटा फायदा हो सकता है। अक्टूबर से इसकी बिक्री शुरू हो जाती है। और मार्च तक चलती है। अगर आप भी कोई बिजनेस शुरू करना चाहते हैं तो यह आपके लिए एक विकल्प हो सकता है। इस बिजनेस को काफी कम लागत से शुरू किया जा सकता है। आइए जानते हैं कि कितनी इनवेस्टमेंट और किस तरह से आप इस बिजनेस को शुरू कर सकते हैं।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

भगवान शिव से विवाह कर साध्वी बनने निकली नाबालिग, बोली-काशी जा रही हूं

खंडवा। तेलंगाना की एक नाबालिग नर्सिंग छात्रा, जो अध्यात्म और शांति की खोज में गहराई से जुड़ी थी, सोशल मीडिया पर साध्वियों और धार्मिक प्रवचनों से इतनी प्रभावित हुई कि उसने संसारिक जीवन त्यागने का निर्णय ले लिया। 19 अक्टूबर की सुबह उसने घर पर एक भावनात्मक पत्र छोड़ा- ÷मैं अब साध्वी बनकर प्रभु को अपना जीवन समर्पित करना चाहती हूं, कृपया मुझे खोजने की कोशिश न करें।÷ घर से निकलने से पहले उसने अपने शहर के शिव मंदिर में भगवान शिव से प्रतीकात्मक विवाह किया, माला और मंगलसूत्र चढ़ाकर भोलेनाथ को अपना जीवनसाथी माना।इसके बाद वह साध्वी जैसी वेशभूषा में काशी जाने के उद्देश्य से हैदराबाद जयपुर एक्सप्रेस में सवार हो गई। पुलिस की सजगता से टली बड़ी भूल ट्रेन में यात्रियों और आरपीएफ कर्मियों ने जब उसे साध्वी रूप में अकेले यात्रा करते देखा, तो उन्होंने पूछताछ की।वह मासूमियत से बोली- काशी जा रही हूं, साध्वी बनने।

पुलिस ने स्नेहपूर्वक समझाया कि वह गलत ट्रेन में बैठ गई है। तत्परता दिखाते हुए आरपीएफ ने उसे बाल

कल्याण समिति खंडवा के समक्ष प्रस्तुत किया।

संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण से संभाला न्यायिक मजिस्ट्रेट समकक्ष खंडपीठ, बाल कल्याण समिति खंडवा के अध्यक्ष प्रवीण शर्मा के नेतृत्व में समिति ने इस पूरे मामले को अत्यंत संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण से संभाला। समिति सदस्य मोहन मालवीय, रुचि पाटिल, कविता पटेल और स्वप्निल जैन की उपस्थिति में बालिका की गहन काउंसलिंग की गई। काउंसलिंग के दौरान बालिका ने बताया कि वह नर्सिंग की छात्रा है और लंबे समय से धार्मिक वीडियो, साध्वियों के प्रवचन तथा भगवान शिव की भक्ति से प्रभावित थी। अध्यात्म और शांति की खोज में उसने भगवान शिव से विवाह कर साध्वी जीवन अपनाने का निर्णय लिया था।

सकारात्मकता फैलाने से ईश्वर की प्राप्ति होती है

अध्यक्ष प्रवीण शर्मा ने अत्यंत करुणा और संवेदनशीलता के साथ बालिका को समझाया कि सच्ची आध्यात्मिकता का अर्थ पलायन नहीं, बल्कि शिक्षा, सेवा और समाज में सकारात्मकता फैलाने से ईश्वर की प्राप्ति है।

उन्होंने कहा-÷आध्यात्म केवल साध्वी बनकर ही नहीं जिया जा सकता। यदि मन में भक्ति है, तो वह समाज में प्रेम, नैतिकता और सद्भाव फैलाने का माध्यम बन सकती है।

तुम अपनी पढ़ाई पूरी करो और चाहो तो आगे चलकर कथावाचक बनकर, अपने ज्ञान और श्रद्धा से लोगों को प्रेरित कर सकती हो।

यही तुम्हारा सच्चा साध्वी जीवन होगा। बालिका ने समिति के इस मार्गदर्शन को स्वीकार करते हुए शिक्षा जारी रखने का संकल्प लिया।

मां की तबीयत बिगड़ी, समिति ने जोड़ा परिवार

बालिका के अचानक घर से निकलने की जानकारी मिलते ही उसकी मां की तबीयत बिगड़ गई और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

परिवार में अफरा-तफरी मच गई थी, लेकिन प्रवीण शर्मा के नेतृत्व में समिति ने तत्परता से परिजनों से संपर्क कर उन्हें स्थिति से अवगत कराया।

बालिका को सुरक्षित पाकर परिवार ने राहत की सांस ली। समिति ने परिजनों को खंडवा बुलवाकर बालिका को उनके सुपुर्द किया।उन्हें यह सलाह दी कि वे उसकी आध्यात्मिक जिज्ञासाओं का सम्मान करते हुए उचित मार्गदर्शन प्रदान करें।

डेढ़ साल से लापता मां-बेटी को केरल से खोजा, दीपावली पर परिवार को लौटाई खुशियां

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर पुलिस ने अपनी अथक मेहनत और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए एक परिवार को दीपावली से ठीक पहले खुशियों का अनमोल उपहार दिया है। पुलिस ने लगभग डेढ़ वर्ष से लापता एक मानसिक रूप से विक्षिप्त महिला और उसकी अबोध बच्ची को सुदूर केरल राज्य से सकुशल दस्तयाब कर लिया और उन्हें उनके परिजनों से मिला दिया।

यह मामला गाडरवारा थाना की चौकी सालीचौका से शुरू हुआ था, जहाँ प्रार्थी ने पत्नी (जो मानसिक रूप से विक्षिप्त थी) और बच्ची के गुमशुदा होने की सूचना दी थी। प्रार्थी की हर संभव तलाश नाकाम रहने पर 05 जुलाई 2024 को गुम इंसान का मामला पंजीबद्ध किया गया।मामले की गंभीरता को देखते हुए, पुलिस अधीक्षक डा. ऋषिकेश मीना ने अति. पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया के मार्गदर्शन और एसडीओपी गाडरवारा रत्नेश मिश्रा के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया। टीम ने गुमशुदा की तलाश के लिए इश्तेहार जारी किए और अंतरराज्यीय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया।

अथक तकनीकी प्रयासों के बाद पुलिस को जानकारी मिली कि गुमशुदा महिला और बच्ची त्रिसुर, केरल में हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल केरल रवाना हुई और 16 अक्टूबर 2025 को शासकीय महिला मंदिरम, रामावरमपुरम से मां-बेटी को दस्तयाब करने में सफलता हासिल की।

विधिवत प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों को परिजनों को सौंप दिया गया। निरीक्षक विक्रम रजक, उप निरीक्षक वर्षा धाकड़, प्रधान आरक्षक मनोज भारद्वाज और आरक्षक जमना प्रसाद रजक की टीम की अहम भूमिका रही।

पन्ना में स्वास्थ्य विभाग की फिर बड़ी लापरवाही... डॉक्टर की दहलीज पर किसान ने तोड़ा दम, डॉक्टर पर नशे में होने का आरोप

पन्ना। पन्ना जिले में एक बार फिर स्वास्थ्य विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है। जिले के आमनगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के अभाव में 55 वर्षीय किसान की डॉक्टर की दहलीज में मौत हो गई। जिसके बाद स्वजनों ने डॉक्टर के शासकीय बंगले के बाहर हंगामा शुरू कर दिया। जानकारी लगने के बाद अमानगंज पुलिस मौके पर पहुंची है।

इलाज के लिए डॉक्टर के घर गया मरीज-मृतक के भतीजे सुजय राजा ने जानकारी देते हुए बताया कि मंगलवार 21 अक्टूबर को शाम करीब 7 बजे ग्राम डहर्रा निवासी अजय पाल सिंह 55 वर्षीय जो कृषि कार्य करते है। उन्हें अचानक गैस का दर्द हुआ। जिसके बाद स्वजन तत्काल ही उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आमनगंज लेकर पहुंचे जहां डॉक्टर आशीष तिवारी की ड्यूटी होने के बाद भी वह मौजूद नहीं थे। स्वजन मरीज को तत्काल उनके शासकीय आवास पर उन्हें लेकर गए।

डॉक्टर की दहलीज पर तोड़ दम-स्वजनों का आरोप है कि वह घर बाहर दवा और इंजेक्शन लिए हुए खड़े रहे और डॉक्टर को बुलाते रहे इस दौरान उनकी पत्नी तीन बार बाहर आई मगर डॉक्टर साहब बाहर नहीं आये। जब किसान ने करीब 35 मिनिट बाद उनकी दहलीज पर दम तोड़ दिया तब डॉक्टर साहब बाहर निकले।डॉक्टर पर नशे में होने का आरोप

मृतक के भतीजे सुजय का आरोप है कि डॉक्टर काफी मात्रा में शराब का सेवन किए हुए थे। जब वह बाहर आये तो मृतक के पुत्र रजऊ से बहस करने लगे।

देवास के प्रॉपर्टी ब्रोकर से 46.5 लाख रुपए ठगने के मामले में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मुंबई के 5 आरोपित गिरफ्तार

देवास। शहर के एक प्रॉपर्टी ब्रोकर को उत्तराखंड में जमीन सस्ते दाम पर दिलाने का झांसा देकर 46.5 लाख रुपए ठगने के मामले में पुलिस ने अंतर प्रांतीय गिरोह का राजफाश किया है। मामले में पांच आरोपित गिरफ्तार किए गए हैं जबकि मास्टरमाइंड सहित कुछ अन्य फरार है। गिरफ्तार किए गए आरोपितों से करीब साढे 29 लाख रुपए जब्त किए गए हैं। गिरोह द्वारा जस्ट डायल के माध्यम से प्रॉपर्टी ब्रोकर्स के मोबाइल फोन नंबर प्राप्त किए जाते थे और फिर सस्ती जमीन दिलाने का सौदा करके ठगी की जाती थी। गिरोह के सदस्य नाम बदलकर प्रोपर्टी ब्रोकरों से टोकन राशि प्राप्त कर एग्रीमेंट करते थे तथा टालमटोल कर एग्रीमेंट का समय निकाल देते थे।

पहले मामा को ठगा फिर भांजे को फंसाने का प्रयास

इस गिरोह के सदस्यों ने देवास में प्रॉपर्टी ब्रोकर तेजकरण परमार निवासी अक्षत नगर देवास से 46.5 लाख रुपये ठगने के बाद उसी के मुहबोले भांजे शुभम को भी जाल मे फंसाने का प्रयास किया।

शुभम द्वारा लालच में आकर जब उत्तराखण्ड की डील जानकारी तेजकरण को दी तब तेजकरण के होश उड़ गये कि उन्हीं व्यक्तियों द्वारा उसी जमीन का सौदा शुभम से करने की कोशिश की जा रही थी।

गिरोह के पाँच सदस्यों को औद्योगिक क्षेत्र देवास पुलिस द्वारा उत्तराखण्ड जाकर होटल में उस समय गिरफ्तार किया गया जिस समय गिरोह शुभम से रुड़की क्षेत्र में होटल के एक रूम में मीटिंग कर रहा था। इस दौरान पुलिस भी खरीदार बनाकर मौजूद रही।ये आरोपित हुए गिरफ्तार

औद्योगिक थाना टीआई शशिकांत चौरसिया के अनुसार शेख मेहंदी हसन निवासी ग्राम बसारिकपुर जिला बलिया हाल एल्डिगो कालोनी लखनऊ उ.प्र., राव अब्दुल मन्नान (तथाकथित नाम-सौरभ कुमार) निवासी ग्राम पनियाला चंदापुर रुड़की जिला हरिद्वार उत्तराखण्ड, शुभम चौधरी निवासी गंगा इंक्लेव नियर सलार अस्पताल, रुड़की, अकरम निवासी ग्राम कैली सरदना जिला मेरठ उ.प्र., अनुपम गुप्ता (तथाकथित नाम-आर.के. अग्रवाल) निवासी म.नं. 109/1, गली नं. 07, सिविल लाईन रुड़की को गिरफ्तार किया गया है।

इकबाल (तथाकथित नाम-शुभम तिवारी) निवासी ग्राम बनहेडा टांडा थाना मंगरोल जिला हरिद्वार (उत्तराखण्ड), सरमद निवासी ग्राम खाताखेड़ी परगना तह. भगवानपुर रुड़की, अरुणा मोरे निवासी 02 मोरे चाल मधुबन गार्डन, एलबीएस मार्ग, भांडुब वेस्ट मुम्बई (महाराष्ट), परवेज निवासी ग्राम लंडौरा रुड़की, आलम निवासी रुड़की फरार हैं, इनकी तलाश की जा रही है।

दैनिक हिन्दकुश

गौ सेवा समिति ग्रुप ने दीपावली पर किया गो ग्रास सेवा कार्य

इंदौर। कार्तिक अमावस्या एवं दीपावली के पावन अवसर पर गौ सेवा समिति ग्रुप के सदस्यों ने आज महामंडलेश्वर श्री राम गोपाल दास जी के सानिध्य में श्री राम मंदिर गौशाला, पंचकुइया पहुंचकर गौमाता की सेवा की।

सदस्यों ने मातृशक्ति एवं बच्चों के साथ बड़ी संख्या में उपस्थित होकर दीपदान, गौ पूजन और आरती की तथा गौ माता को हरी मक्का, पौष्टिक लड्डू, गुड़, चापड़, गेहूं का भूसा व सेंधा नमक आदि सामग्री अर्पित कर गौ ग्रास सेवा की।

कार्यक्रम में पंडित राजेश जोशी एवं ग्रुप के विद्वान सदस्यों ने मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना कराई। पूजन उपरांत गौ माता की पूंछ से सभी उपस्थित सदस्यों का नजर उतारा कर आशीर्वाद लिया गया।

साथ-साथ इंदौर की अन्य गौशालाओं में भी चारा, भूसा व सहयोग राशि भेंट की गई।

इस अवसर पर ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य बी.एल. तिवारी, श्याम पांडे, लक्ष्मीनारायण राठी, जगदीश बंसल, सुभाष अजमेरा, दिनेश तिवारी, ओमप्रकाश तिवारी, बलराम बजाज, नितिन नीमा, राजेश जोशी, राधेश्याम गोयल, सरला गोयल, शशि बांगड़, प्रमोद नीमा, मनोहर चावला सहित बड़ी संख्या में सदस्य व मातृशक्ति उपस्थित रहे।

गौ सेवा समिति के प्रमुख सदस्य विजय शारदा, श्याम श्री, चंद्रशेखर नीमा, विष्णु गुप्ता एवं राजेंद्र नीमा ने बताया कि दीपावली के शुभ अवसर पर की गई यह गो सेवा समिति के लिए आध्यात्मिक एवं प्रेरणादायक आयोजन रहा।

सभी सदस्यों ने एक-दूसरे को दीपावली व नववर्ष की शुभकामनाएं दीं ।

हमारी सनातन संस्कृति हमें प्रकृति से सदैव जुड़े रहना सिखाती है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को उज्जैन के तिलकेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर गौशाला में गोवर्धन पूजा की। मुख्यमंत्री ने गौमाता की पूजा भी की और विशाल गौ-अन्नकूट में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गौ-सेवा और प्रकृति के सम्मान में हर घर गौशाला और हर गांव में गोवर्धन पूजा आज पूरे प्रदेश में की जा रही है। हमारी सनातन संस्कृति हमें प्रकृति से सदैव जुड़े रहना सिखाती है। गौमाता अपने बछड़े के साथ हम सभी का भी ध्यान रखती है।

भगवान श्रीकृष्ण गोपाल कृष्ण के नाम से भी जाने जाते हैं। वर्तमान में शासन और आमजन साथ मिलकर सभी त्यौहार आनंद और हर्षोल्लास के साथ मना रहे हैं। दीपावली के अगले दिन गोवर्धन पूजा की जाती है। हमारा देश किसानों और गौ-पालकों का देश है। सही अर्थों में हम सब के लिए दीपावली तभी सार्थक है जब हमारे किसान और हमारा गौ-वंश उन्नत रहे, तभी समृद्धि आती है।

गौ-शालाओं में प्रत्येक गौमाता की सेवा के लिए अनुदान राशि बढ़ाई गई है। जो लोग दुग्ध उत्पादन करना चाहते हैं, उन्हें भी शासन की ओर से अनुदान राशि दी जाएगी। हम हर घर गोपाल बनाने का कार्य करेंगे। मध्यप्रदेश शासन द्वारा सिंचाई के रकबे को बढ़ाने के लिए नदी जोड़ो अभियान प्रारंभ किया गया है। सूर्य घर योजना के अंतर्गत किसानों को सौर पंप लगाने पर 90 प्रतिशत तक अनुदान राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शासन द्वारा सोयाबीन के लिए भावांतर भुगतान योजना प्रारंभ की गई है। यह किसानों और व्यापारियों के बीच में सेतु का कार्य करेगी। अनाज मंडियों का मान व्यापारियों से बढ़ेगा और किसानों का सम्मान भी बढ़ेगा।

कलेक्टर शिवम वर्मा पहुंचे राजवाड़ा - स्वदेशी से खुशहाली के संदेश का किया प्रसार

इंदौर। दीपावली पर्व की रौनक के बीच शहर के ऐतिहासिक राजवाड़ा क्षेत्र में आज एक विशेष दृश्य देखने को मिला। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री दिलीप कुमार यादव के साथ राजवाड़ा पहुंचे और फुटपाथ पर दुकान लगाकर बैठे छोटे-छोटे दुकानदारों से दीये एवं दीपावली की अन्य सामग्रियां खरीदीं।

इस अवसर पर उन्होंने स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देने का संदेश दिया और डिजिटल भुगतान के माध्यम से दुकानदारों को प्रोत्साहित किया। उनका यह कदम छोटे व्यवसायियों के प्रति संवेदनशीलता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में सराहनीय पहल के रूप में रहा है।

कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि छोटे व्यापारियों से खरीददारी कर हम न केवल अपनी परंपरा को जीवित रखते हैं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती देते हैं। इस दौरान कलेक्टर श्री वर्मा के साथ एडीएम श्री रोशन राय तथा एसडीएम श्री प्रदीप सोनी भी मौजूद थे। इस दौरान लोगों में भी उत्साह का माहौल देखने को मिला और कई नागरिकों ने भी स्वदेशी दीये खरीदने का संकल्प दोहराया। दीपावली पर इस तरह का प्रेरणादायी संदेश पूरे शहर में 'स्थानीय से वैश्विक' की भावना को मजबूत कर रहा है।

चार- दिवसीय छठ महापर्व 25 अक्टूबर से: शहर के घाटों पर उमड़ेगी श्रद्धा की अविरल धारा

इंदौर। दीपावली की रोशनी ढलते ही मालवा की धरती पर अब पूर्वांचल की आस्था की ज्योति प्रज्वलित होने लगी है। इंदौर में बसे बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश के हजारों परिवार सूर्योपासना के महापर्व 'छठ पूजा' की तैयारियों में जुट गए हैं। शहर के मोहल्लों और बस्तियों में इन दिनों ÷केलवा के पात पर उगेल भइल सुरजदेव÷ जैसे लोकगीत गूंज रहे हैं, और वातावरण पूरी तरह छठमय हो उठा है।

छठ महापर्व का शुभारंभ इस वर्ष 25 अक्टूबर, शनिवार को 'नहाय-खाय' के साथ होगा। दूसरे दिन 26 अक्टूबर (रविवार) को 'खरना' का व्रत रखा जाएगा। इसके बाद तीसरे दिन 27 अक्टूबर (सोमवार) को श्रद्धालु तालाबों और जलाशयों में खड़े होकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे। महापर्व का समापन 28 अक्टूबर (मंगलवार) को उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ होगा।

इंदौर के 150 से अधिक घाटों पर होगा आयोजन- पूर्वोत्तर सांस्कृतिक संस्थान, मध्य प्रदेश के अध्यक्ष ठाकुर जगदीश सिंह और महासचिव के. के. झा ने बताया कि इस वर्ष शहर में लगभग 150 से अधिक स्थानों – जैसे कि स्कीम नंबर 54, 78, बाणगंगा, सुखलिया, श्याम नगर, तुलसी नगर, समर पार्क, अमृत पैलेस, पिपलियाहाना, कालानी नगर, निपानिया, सिरपुर, खजराना, देवास नाका, एरोड्रम रोड, राऊ, और पीथमपुर – पर छठ घाटों का निर्माण और सजावट की जा रही है।

शहर के विभिन्न छठ पूजा समितियाँ इन घाटों की सफाई, रंग-रोगन, और सजावट में पूरी तन्मयता से जुटी हैं। आयोजन समितियों के पदाधिकारियों ने सभी जिम्मेदारियां सौंप दी हैं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस वर्ष भले ही बिहार में 6 नवंबर को विधानसभा चुनाव होने के कारण काफी संख्या में श्रद्धालु अपने गृह राज्य लौट गए हों, फिर भी इंदौर में ढाई से तीन लाख श्रद्धालुओं के शामिल होने का अनुमान है।

पूर्वोत्तर सांस्कृतिक संस्थान ने प्रदेश सरकार से 27 अक्टूबर (सांध्य अर्घ्य के दिन) सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग की है। संस्थान का कहना है कि छठ अब केवल बिहार या पूर्वांचल तक सीमित नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय और वैश्विक पर्व बन चुका है।

15वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल महेश गार्ड लाईन में पुलिस स्मृति दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

इंदौर। कर्तव्यपथ पर प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों की याद में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 21 अक्टूबर को 15वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल महेश गार्ड लाईन इन्दौर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम शोक परेड (पुलिस स्मृति दिवस) आयोजित की गई। इस दौरान मुख्य अतिथि पुलिस आयुक्त नगरीय इन्दौर श्री संतोष कुमार सिंह एवं समस्त उपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित किये गये।

लद्दाख स्थित हॉट स्प्रिंग की यात्रा देश के प्रत्येक पुलिस कर्मचारी के लिए तीर्थ है, भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस के उप पुलिस अधीक्षक करम सिंह और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के उनके 20 सहयोगी 21 अक्टूबर 1959 को अन्य दिन की तरह हॉट स्प्रिंग जो कि समुद्र तल से 4681 मीटर स्थित है। भारतीय सीमा पर गस्त पर थे।

गोवर्धन और गौवंश की पूजा पर्यावरण और पशुधन संवर्धन का देती है संदेश : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दीपोत्सव, गोवर्धन पूजा और अन्नकूट महोत्सव की हार्दिक मंगलकामनाएं देते हुए कहा कि आज पूरे प्रदेश में गोवर्धन पूजा हर्षोल्लास से की जा रही है। हर घर, हर गौ-शाला, हर गांव, वृंदावन है और हम सब गोपाल बन गए हैं। हमारी हर परम्परा और उत्सव में प्रकृति के प्रति आदर और समाज के प्रति उत्तदायित्व समाहित है। गोवर्धन पूजा इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। हमारी संस्कृति ने हमें छोटी से छोटी चीज प्रदान करने वालों के प्रति भी आभार करना सिखाया है। आज हम प्रकृति के उसी दाता स्वरूप को प्रणाम कर रहे हैं। आज के दिन गोवर्धन और गौवंश की पूजा कर हम संसार को प्रकृति, पर्यावरण और पशुधन संवर्धन का संदेश देते हैं। यह सनातन संस्कृति की देन है। यह वास्तव में प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण का उत्सव है। यह हमें स्मरण कराता है कि धरती पर जो भी है, उसके साथ सामंजस्य ही जीवन है। गोवर्धन पूजा %जियो और जीने दो% के विचार और उपलब्ध खाद्य सामग्री एवं संसाधनों को समाज के साथ मिल-बांटकर साझा करने का प्रतीक है। हमारी संस्कृति और परम्पराओं को बचाए रखने की हम सबकी जिम्मेदारी है। राज्य सरकार द्वारा गोवर्धन पूजा का आयोजन इसी उद्देश्य से किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को रवीन्द्र भवन में आयोजित गोवर्धन पूजा के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गौमाता सनातन संस्कृति की आत्मा है। गौमाता के दुग्ध से हमारे शरीर को अमृत मिलता है। भगवान श्रीकृष्ण ने गोपालों की सेना बनाकर पशुधन की रक्षा के लिए बृजवासियों को प्रेरित किया। भगवान श्रीकृष्ण ने लोक संस्कृति एवं सामान्य जनजीवन को बनाए रखने के लिए बाल्यावस्था में अद्भुत लीलाओं से समाज को चमत्कृत कर प्रेरित किया। भगवान श्रीकृष्ण के गोपाल स्वरूप में यह संदेश निहित है कि जो गाय पाले वो गोपाल है। गाय के दूध, गोबर और गौ-मूत्र की महिमा अब वैज्ञानिक रूप से सिद्ध होने लगी है। कैंसर जैसी भयंकर बीमारी में भी गौ-उत्पाद प्रभावी हैं, यह भी सिद्ध हुआ है कि गोबर से लिपे घरों पर विकिरण का प्रभाव कम होता है। खेती में गोबर की खाद की महत्ता से सभी लोग परिचित ही हैं। इसी का परिणाम है कि विश्व, प्राकृतिक खेती और जैविक खेती की महत्ता को पुनः स्वीकार कर रहा है।

इंदौर में गोवर्धन पूजन पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुसार आज इंदौर जिले में गोवर्धन पूजा का कार्यक्रम पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। जिले की सभी गौशालाओं में गोवर्धन पूजा और गौ पूजन के कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्य समारोह अहिल्या माता गौशाला जीवदयामंडल ट्रस्ट पेडमी में आयोजित किया गया। इस समारोह में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, इंदौर जनपद अध्यक्ष श्री विश्वजीत सिंह सिसोदिया सहित अन्य जन प्रतिनिधि और विभिन्न विभागों के अधिकारी विशेष रूप से शामिल हुए। मंत्री श्री सिलावट, कलेक्टर श्री वर्मा, जिला पंचायत सीईओ श्री जैन ने गोवर्धन पूजा की और गौमाता का पूजन भी किया। गौशाला के परिसर में आयोजित इस आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, गौसेवकों और श्रद्धालुओं ने भी भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने गोवर्धन पर्व के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व प्रकृति, गोवंश और ग्राम्य जीवन के प्रति हमारी आस्था का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि गौसेवा और पर्यावरण संरक्षण, दोनों का गहरा संबंध है। यह भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा है। श्री सिलावट ने गौशाला के प्रबंधन की सराहना करते हुए कहा कि अहिल्या माता गौशाला जीवदयामंडल ट्रस्ट द्वारा की जा रही सेवा गतिविधियाँ समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा कि गौ पालन भारतीय अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है। गोपालन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहे हैं। उन्होंने उपस्थित जनों से अधिकाधिक गौसेवा और हरित कार्यों में सहभागिता का आह्वान किया।

इस अवसर पर मंत्री श्री सिलावट, कलेक्टर श्री वर्मा और जिला पंचायत सीईओ श्री जैन ने पारंपरिक विधि-विधान से गोवर्धन पूजन किया। उन्होंने गौ माता का पूजन किया और गुड़ तथा गो ग्रास भी खिलाया।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

गौरवशाली इतिहास से युवा वर्ग को परिचित करवाने का सशक्त माध्यम बना, महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य

उज्जैन । भारतीय इतिहास में अनेक प्रतापी शासक हुए हैं। ऐसे ही शासक थे सम्राट विक्रमादित्य। उन्होंने न्याय, शौर्य और कालगणना के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुआ। सम्राट विक्रमादित्य के सम्मान में इस वर्ष बहुआयामी प्रयास हुए हैं। कुछ वर्ष पहले वार्षिक विक्रमोत्सव प्रारंभ हुआ, फिर विक्रम विश्वविद्यालय का नाम संशोधित किया गया, जो विक्रम विश्वविद्यालय था। यह सम्राट विक्रमादित्य की प्रतिष्ठा के अनुकूल सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय हो गया है। ये सब मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों से हुआ है।

मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर राजधानी के नागरिक महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य देखेंगे। विक्रम संवत प्रारंभ करने वाले कल्याणकारी शासक रहे सम्राट विक्रमादित्य के सम्मान में महत्वपूर्ण कदम मध्यप्रदेश सरकार द्वारा उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री निवास के मुख्य द्वार पर विक्रमादित्य वैदिक घड़ी स्थापित की गई है। वार्षिक विक्रम उत्सव की शुरुआत कर राज्य सरकार ने सम्राट विक्रमादित्य को यथोचित सम्मान देने का कदम उठाया था। शासकीय कैलेंडर में विक्रम संवत का भी उल्लेख प्रारंभ किया गया है। इस क्रम में हाल ही में सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का नई दिल्ली में अप्रैल- 2025 में मंचन एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस महानाट्य के माध्यम से रंगमंच के महत्व से भी पूरे राष्ट्र को अवगत करवा दिया है। वैसे तो इस डिजिटल युग में सूचना और मनोरंजन के कई फॉर्मेट लोकप्रिय हो चुके हैं, लेकिन भारतीय नाट्यशास्त्र की सुदृढ़ और समृद्ध परंपरा से जन-जन को विशेष रूप से युवा वर्ग को परिचित करवाने के लिए नई दिल्ली में सम्राट विक्रमादित्य नाटक का निरंतर तीन दिन मंचन होना महत्व रखता है। मध्यप्रदेश से जो संदेश पूरे राष्ट्र में पहुंचा है वह यह है कि अभिनय, प्रकाश संयोजन, संगीत, वेशभूषा और विशाल मंच के माध्यम से हमारे पौराणिक चरित्रों का जीवन सामने आना चाहिए। हमारे वे आदर्श शासक और आराध्य जो युवा पीढ़ी द्वारा भुला दिए गए हैं उन्हें युवा पीढ़ी को जानकारी देकर इस गौरवशाली अध्याय से अवगत करवाना सराहनीय है। युवाओं में सृजन की शक्ति है, जिज्ञासा का तत्व भी विद्यमान है तो फिर उन्हें इन राष्ट्र के आदर्श प्रतीकों की जानकारी से वंचित क्यों रखा जाए और बच्चे भी कलाओं के प्रति रुचि रखते हैं, वे भी इस विधा के लिए जिज्ञासु हो सकते हैं। उन्हें महान व्यक्तित्वों के बारे में ज्ञानवर्धक विवरण देने वाले नाटक मंचन से जोड़ा जाए, यह समय की मांग है।

राज्य स्तर से लेकर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मान

सम्राट विक्रमादित्य के गुणों के अनुकूल योगदान देने वाले व्यक्ति सम्मानित हों, इस उद्देश्य से जहां पांच-पांच लाख रूपए के तीन राज्य स्तरीय सम्मान देने का प्रावधान किया गया।

दिवाळी पहाट में हुआ शास्त्रीय, उपशास्त्रीय गायन

राग विभास के विलंबित और मध्यलय ख्याल से शुरू, कानडा राजा पंढरीचा, भक्ति गीत से हुआ समापन

उज्जैन। स्वर संवाद सांस्कृतिक एवं साहित्यिक संस्था उज्जैन द्वारा 14वीं पद्मश्री डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर स्मृती दिवाळी पहाट का आयोजन कालिदास संस्कृत अकादमी के अभिरंग नाट्यगृह में किया गया।

कार्यक्रम में इंदौर के नीलांभ नलवडे ने शास्त्रीय तथा उपशास्त्रीय गायन प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का प्रारम्भ राग विभास के विलंबित और मध्यलय ख्याल से किया तत्पश्चात काटा रुते कुणाला, अवघे गरजे पंढरपूर आदि सुप्रसिद्ध नाट्यगीत एवं भक्ती गीत प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का समापन कानडा राजा पंढरीचा इस भक्ती गीत से किया। रविंद्र किल्लेदार संवादिनी, निशांत शर्मा तबला, विश्वास चांदोरकर टाळ तथा सक्षम देवळे और यश शर्मा तानपुरा ने पूरक वाद्य संगत से कार्यक्रम को और अधिक मधुर बनाया। कार्यक्रम का औपचारिक शुभारम्भ पारंपरिक रंग देवता एवं वाग्देवी सरस्वती के पूजन से सौ व श्री अतुल करंदीकर एवं सौ स्नेहा व संतोष भालेराव ने किया। कलाकारों का स्वागत रश्मी देशकर, दिलीप शिराळ्कर, सौ व श्री कर्‍हाडकर, समर्थ फडणीस और अभिनित केतकर ने किया। संचालन मंगेश भालेराव ने किया। वन्दे मातरम् गायन सुचित्रा पंडित ने किया। आभार प्रदर्शन डॉ. विद्या जोशी ने किया। दीपावली निमित्त पारंपरिक फराळ (अल्पाहार) से कार्यक्रम का समापन हुआ।

पोषण माह के अंतर्गत 'कार्ड' ने चलाया जागरुकता अभियान

उज्जैन। संस्था सेन्टर फॉर एडवांस रिसर्च एंड डेवलेपमेंट 'कार्ड' द्वारा निर्भया कोष से सहायतित मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड भोपाल की परियोजना महिलाओं हेतु सुरक्षित पर्यटन स्थल के अंतर्गत पोषण माह के अंतर्गत संतुलित आहार, नमक और तेल का कम उपयोग करने हेतु समझाईश दी गई।

इस अभियान में कार्ड संस्था से परियोजना समन्वयक अमृता चतुर्वेदी, जैनुअल आब्दीन हुसैन, कुलदीप राजपुरोहित उपस्थित रहे। अभियान के दौरान होटल शिप्रा रेसीडेंसी, होटल उज्जयिनी, नंदी होम स्टे, उज्जैन स्पर्श होम स्टे, शिवम होम स्टे आदि।

श्री माधव क्लब में अन्नकूट के साथ हुआ दीपावली मिलन समारोह

उज्जैन। शहर के प्रसिद्ध श्री माधव क्लब में माधव तैराकी ग्रुप द्वारा दीपावली मिलन एवं अन्नकूट समारोह हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर सदस्यों ने स्वनिर्मित मिठाई और नमकीन से 56 भोग अर्पित कर अन्नकूट का आयोजन किया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएँ दीं तथा सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व की खुशियाँ साझा कीं। तैराकी ग्रुप व माधव क्लब के वरिष्ठ सदस्य सुनील हुकमचंद कछवाय ने बताया कि इस अवसर पर डॉ. सुधीर गवारीकर, मांगीलाल बाहेती, अशोक जोशी, वी.के. गोयल, लायन अरविंद जैन, प्रकाश मोटवानी, डॉ. राकेश सोनकर, डॉ. नीरज गुप्ता, राकेश दीक्षित, अजीत सिंह ठाकुर, आनंद गहलोत, आनंद अग्रवाल, रवि लंगर, विष्णु गोयल, प्रदीप सोमानी, नितिन मीणा, रितेश धारीवाल एवं हेमंत मीणा सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन, भोग, प्रसाद वितरण एवं सामूहिक उत्सव के साथ समारोह का समापन हुआ।

पुजारी प्रतिनिधि महेश शर्मा पर कार्रवाई को लेकर अखाड़ा परिषद का कलेक्टर को ज्ञापन

ऋणमुक्तेश्वर के महंत महवीरनाथ से अभद्रता पर भड़के सैकड़ों साधु-संत

उज्जैन। महाकाल मंदिर के गर्भगृह में बुधवार की सुबह दर्शन के दौरान हुए विवाद के बाद पुजारी प्रतिनिधि महेश शर्मा पर कार्रवाई को लेकर स्थानीय अखाड़ा परिषद ने कलेक्टर रोशन कुमार सिंह को ज्ञापन सोपा।

सुबह विवाद के तुरंत बाद ही ऋण मुक्तेश्वर महादेव मंदिर के महंत महावीर नाथ ने अपने साथ हुई अभद्रता की घटना से जैसे ही स्थानीय साधु-संतों को अवगत कराया तो संत समाज भड़क उठा और पुजारी प्रतिनिधि शर्मा पर सख्त कार्रवाई किए जाने को लेकर स्थानीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत डॉ. रामेश्वर दास महाराज के नेतृत्व में समस्त अखाड़ों के साधु-संत, महंत की बैठक के बाद उज्जैन कलेक्टर रोशन कुमार सिंह से मिलने पहुंचे। संतों ने कलेक्टर को पूरी घटना बताने के बाद पुजारी प्रतिनिधि महेश शर्मा के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग को लेकर ज्ञापन सोपा। संतों ने मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक से भी मुलाकात की व उन्हें भी पुजारी प्रतिनिधि महेश शर्मा को मंदिर से निष्कासित करने की मांग की। कलेक्टर व प्रशासक ने साधु-संतों की बात सुनने के बाद आश्वासन देते हुए कहा कि वे इस पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। दोषियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद आक्रोशित साधु-

संत शांत होकर रवाना हुए। इस दौरान अखाड़ों से जुड़े 100 से अधिक साधु-संत मौजूद थे।

ऋणमुक्तेश्वर महादेव मंदिर के महंत महावीर नाथ महाराज नाथ संप्रदाय से आते हैं। उनके गुरु भर्तृहरि गुफा के पीठाधीश्वर योगी पीर महंत श्री रामनाथ जी महाराज है। महावीर नाथ जी महाराज के साथ महाकाल मंदिर में पुजारी प्रतिनिधि महेश शर्मा के द्वारा जो अभद्रता की गई व उन्हें देख लेने की धमकी देने की घटना से देशभर के नाथ संप्रदाय के हजारों साधु-संतों में नाराजगी है। संप्रदाय के समस्त साधु-संत इस घटना का विरोध कर अपने जिला मुख्यालय में जिला अधिकारियों को उज्जैन में हुई घटना से अवगत कराते हुए कार्रवाई की मांग को लेकर ज्ञापन सोप रहे हैं। वहीं यूपी के सीएम एवं नाथ संप्रदाय के मुखिया योगी आदित्यनाथ जी को भी इस पूरे मामले से अवगत करा दिया गया है।

विक्रमादित्य फ्रीगंज व्यापारी महासंघ के मिलन समारोह में हुआ स्वच्छता मित्रों का सम्मान

उज्जैन। विक्रमादित्य फ्रीगंज व्यापारी महासंघ द्वारा मिलन समारोह एवं स्वच्छता मित्रों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

विक्रमादित्य फ्रीगंज व्यापारिक महासंघ द्वारा आयोजित व्यापारी मिलन समारोह एवं स्वच्छता मित्रों का सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में निगम सभापति कलावती यादव, निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा, बीजेपी अध्यक्ष संजय अग्रवाल, प्रेस क्लब अध्यक्ष विशाल हाड़ा, पार्षद अनिल गुप्ता, पार्षद नीलम राजा कालरा, नगर भाजपा अध्यक्ष महामंत्री आनंदजी, कमल बेरवा आदि उपस्थित रहे। महासंघ द्वारा नगर की स्वच्छता व्यवस्था में निरंतर योगदान देने वाले स्वच्छता मित्रों को स-सम्मान टेबल-कुर्सी पर बैठाकर भोजन कराया गया।

व्यापारियों ने अपने हाथों से भोजन परोसते हुए उन्हें पुष्पमाला व उपहार भेंट कर अभिनंदन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महासंघ अध्यक्ष गोविंद यादव ने की। संचालन सचिव अनिल राठौर ने किया। आभार कोषाध्यक्ष राजकुमार परसवानी ने माना। साथ ही संस्था के पदाधिकारी कपिल राठौर, हर्ष जैन, अभिषेक गोयल, अजय भालिया, अनूप चैहान, मनीष सोनी, योगेश राठौर, आनंद पोरवाल, नरेश परिहार, गोपाल वाधवानी, योगेश राठौर, लोकेश, कुशाग्र गुप्ता, राजा कालरा आदि व्यापारी सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने नगर की स्वच्छता एवं व्यापारी एकता को सुदृढ़ बनाए रखने का संकल्प लिया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com